आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,रविवार 04 अगस्त 2024 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-14 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-128 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 05 अगस्त 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

एनआईए ने दो माओवादियों को किया गिरफ्तार

कांकेर,4 अगस्त। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कांकेर जिले से दो माओवादियों की गिरफ्तारी का खुलासा किया है. एनआईए ने अपने X हैंडल पर जानकारी साझा की है. जिसमें बताया गया है कि ये गिरफ्तारी कुएमारी क्षेत्र समिति के दो सदस्यों की हुई है. गिरफ्तार माओवादियों का नाम आशु कोरसा और विनोद अवलम बताया जा रहा है. एनआईए के अनुसार, दोनों माओवादी नेता सुरक्षा और आपूर्ति टीम के सदस्य थे और सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे थे. इसके लिए वे हथियार और विस्फोटक लेकर जा रहे थे. दोनों की गिरफ्तारी मुंजालगोंदी इलाके में की गई. एनआईए की टीम ने जून महीने में छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया था. दोनों माओवादियों की गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने जगदलपुर स्थित विशेष न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया है.

निर्माणाधीन दीवार गिरी,दबने से 9 बच्चों की मौत

सागर,4 अगस्त। मध्यप्रदेश के सागर जिले के शाहपुर में हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण का काम चल रहा था। सावन के महीने में यहां

सुबह से शिवलिंग बनाए जा रहे हैं। रविवार को भी शिवलिंग बनाने का काम शुरू हुआ। रविवार को अवकाश का दिन होने की वजह से शिवलिंग बनाने के लिए आठ से 14 साल के बच्चे भी बड़ी संख्या में पहुंचे। वे सुबह जब शिवलिंग बना रहे थे, तभी मंदिर परिसर के बाजू वाली करीब पचास साल पुरानी एक कच्ची दीवार भराभराकर गिर गई। हादसे में 9 बच्चों की मौत हो गई, इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तत्काल ही दीवार के मलबे को हटाने का कार्य शुरू हुआ तो इसके नीचे और दबे बच्चों को निकाला गया। वहीं कई बच्चों के दबे होने की आशंका है। आलाधिकारी, रेस्क्यू टीम और शाहपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर बच्चों का रेस्क्यू कर रही है। सूचना मिलने पर रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंचे। हादसे ने पूरे क्षेत्र को गम में डुबा दिया।

पति-पत्नी की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,4 अगस्त। लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से कच्चे मकान की दीवार भरभरा कर गिर गई. दीवार गिरने से पति-पत्नी की मौत हो गई,वहीं उनका 8 साल का बच्चा घायल हो गया, जिसे गौरेला जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है. घटना पेण्ड्रा थाना क्षेत्र के रामगढ़ गाँव की है. दिनेश वाकरे और उसकी पत्नी का नाम शारदा बाई रात में अपने बच्चे के साथ अपने कच्चे मकान में सो रहे थे. लगातार हो रही बारिश से घर की कच्ची दीवार तीनों के ऊपर गिर गईं, जिसमे पति और पत्नी की मलबे में दबकर मौत हो

गई. बताया जा रहा है कि मकान बहुत ही पुराना ही चुका था, जो लगातार बारिश को नहीं झेल पाया. सूचना मिलने पर पुलिस और तहसीलदार मौके पर जांच के लिए पहुँचे. स्थानीय लोगों के अनुसार, मृत पति-पत्नी गरीबी के कारण मकान की मरम्मत नहीं करा पाएं. इस इलाके के आसपास और भी कच्चे और पुराने मकान हैं, जिन पर ज्यादा बारिश से भी खतरा मंडरा रहा है.

सीएम हाउस में बिखरी हरेली की हरियाली

रायपुर,4 अगस्त ■ तरुण छत्तीसगढ़

» छत्तीसगढ़ी पकवानों से महका मुख्यमंत्री निवास

हरेली त्योहार पर मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ व्यंजनों से महक रहा है. आगन्तुकों के त्योहार में स्वागत के लिए खास तौर पर ठेठरी, खुरमी, पीडिया, गुलगुला भजिया, चीला जैसे पकवान बनाए गए हैं.

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के पहले पर्व हरेली पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ आज राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में गौरी-गणेश, नवग्रह की पूजा कर भगवान शिव का अभिषेक किया। कृषि कार्य में प्रयुक्त होने वाले नांगर, रापा, कुदाल व कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर हरेली त्योहार का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के किसानों समेत छत्तीसगढ़वासियों की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। पशुधन संरक्षण के संदेश के साथ मुख्यमंत्री ने गाय व बछड़े को लोंदी और चारा खिलाया।

कोरबा-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में आग, चार बोगियां खाक

विशाखापत्तनम,4 अगस्त। रेल हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। रविवार को विशाखापट्टनम में स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में आग लग

गई। हादसे में ट्रेन की तीन बोगियां धू-धू कर जल उठीं। यह हादसा कोरबा एक्सप्रेस (18517) में हुआ है। घटना के दौरान ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर चार पर खड़ी थी। हादसे में तीन एसी बोगियां जल गई हैं। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक बी7 बोगी के टॉयलेट में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की यह घटना हुई। इसके चलते बी7 बोगी पूरी तरह से स्वाहा हो गई। इसके बाद आग फैलकर बी6 और एम1 एसी बोगी तक भी पहुंच गई और इसे भी अपने लपेटे में ले लिया। आग लगते ही रेलवे कर्मचारी स्पॉट पर पहुंचे और बुझाने में जुट गए। राहत की बात यह रही कि उस वक्त ट्रेन में एक भी पैसेंजर नहीं था। इसके चलते कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। रेलवे की बोगियों में आग लगने की घटना का जो वीडियो आया है वह हिलाकर रख देने वाला है। इसमें दिख रहा है कि एसी कोचेज से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही हैं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

अलकायदा ने सीएम नीतीश को बम से उड़ाने की धमकी दी

पटना,4 अगस्त। अलकायदा ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार को बम से उड़ाने की धमकी दी है। धमकी भरा ई-मेल सीधे तौर पर सीएमओ के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजा गया था। धमकी भरे ई-मेल में चौंकाने वाली बात यह है कि उसमें सीएमओ को बम से उड़ाने की बात लिखने के साथ ही 'अलकायदा ग्रुप' लिखा हुआ था। इसके बाद पटना पुलिस अलर्ड मोड आ गई है। सीएमओ ऑफिस जाने वाले रास्ते को सील कर दिया गया है। शुरुआती जांच के बाद सचिवालय थाना में 2 अगस्त को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। जिस ईमेल आईडी से धमकी भरा मैसेज आया है, उसी को पुलिस ने नामजद किया है सीएमओ के ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज 16 जुलाई को आया था। पुलिस के अनुसार धमकी ईमेल आईडी achwl®®@gmail.com से भेजी गई थी।पुलिस के अनुसार अब इस बात का पता लगाया जा रहा है कि ये ई-मेल आईडी किसकी है? सच में ये धमकी किसी अलकायदा ग्रुप ने भेजी है? इस तरह के कई सवाल हैं, जिसके जवाब पुलिस अपने जांच के जरिए तलाश रही है। पटना के सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी आतंकी संगठन अलकायदा के नाम से आई है। अलकायदा के नाम से सीएमओ कार्यालय को एक मेल आया है। एटीएस ने मामले की जांच के बाद स्न्ढ्ढक्र दर्ज कर ली है पटना के सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। इससे पहले पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। जिसके बाद इसकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया था। ये धमकी भी ई-मेल के जरिए ही भेजी गई थी। हालांकि उस वक्त ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी और पुलिस-प्रशासन काफी अलर्ट हो गया था।

जुलाई में ही पटना के एक घर में बम बनाने का सामान बरामद हुआ था। यहां 35 जिंदा कारतूस, पोटेशियम नाइट्रेट का डिब्बा, ट्री फिल लिक्विड के डिब्बे, लकड़ी का चारकोल, सुतली वगैरह को पकड़ा गया था।

केवायसी अपडेट करने के नाम पर अधिकारी से 6.42 लाख की ठगी

बिलासपुर,4 अगस्त। पढ़े-लिखे लोग भी ठगों के शिकार बन रहे हैं. ऐसा ही एक ताजा मामला बिलासपुर जिले में सामने आया है, जहां रोजगार कार्यालय के डिप्टी डायरेक्टर को बैंक खाता के केवाइसी अपडेट कराने का झांसा देकर शातिर ठग ने 6 लाख 42 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली है. यह मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है. घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, सरकंडा थाना क्षेत्र के मोपका में रहने वाले विष्णु प्रसाद केडिया रोजगार कार्यालय में डिप्टी डायरेक्टर हैं. बीते 10 मई को उनके मोबाइल में कॉल आया, उसने खुद को बैंक अधिकारी बताकर उनके एसबीआई के बैंक खाता का केवाइसी कराने का झांसा दिया. उसके बाद उनसे अलग-अलग बहाने बताकर किश्तों में पैसा ट्रांसफर करने कहा गया. इस पर तरह से अज्ञात आरोपी ने अलग-अलग किश्तों में 6 लाख 42 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए, फिर भी पैसे की मांग की जा रही थी. तब जाकर डिप्टी डायरेक्टर को ऑनलाइन ठगी होने का अहसास हुआ. जिसके बाद घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई. पुलिस ने पीड़ित के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 420, 66 घ के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

कम होगी वक्फ बोर्ड की शक्ति

बड़े संशोधन की तैयारी में मोदी सरकार, संसद में पेश हो सकता है बिल

नई दिल्ली,4 अगस्त। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे वक्फ बोर्ड की शक्तियां सीमित हो जाएंगी। शुक्रवार को कैबिनेट ने एक्ट में कुल 40 संशोधनों को मंजूरी दे दी। सूत्रों की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इन संशोधनों का उद्देश्य किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित करने के वक्फ बोर्ड के अधिकार को प्रतिबंधित करना है। सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, वक्फबोर्डों द्वारा संपत्तियों पर किए गए दावों को अनिवार्य रूप से सत्यापित किया जाएगा। इसी प्रकार, वक्फ बोर्डों की विवादित संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए एक विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश किये जाने की संभावना है। वक्फबोर्ड के पास लगभग 9.4 लाख एकड़ की कुल 8.7 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। 2013 में यूपीए सरकार ने मूल कानून में संशोधन कर वक्फबोर्डों को और अधिक शक्तियां दे दी थीं। वक्फ अधिनियम, 1995, एक वक्फद्वारा 'औकाफ' (दान की गई और वक्फ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को विनियमित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। 2013 में, यूपीए सरकार ने मूल वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के माध्यम से इन बोर्डों के अधिकार को मजबूत किया। यह अधिनियम ''औकाफ' को विनियमित करने के लिए स्थापित किया गया था - एक वक्फ, व्यक्ति द्वारा दान की गई और वक्फके रूप में नामित संपत्तियां - जो मुस्लिम कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए संपत्ति समर्पित करता है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य केंद्रीय वक्फपरिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके समावेशिता को बढ़ाना है। सूत्रों ने कहा, सरकार ने पहले किसी भी संपत्ति पर दावा करने के लिए राज्य वक्फ बोर्डों के व्यापक अधिकारों और अधिकांश राज्यों में ऐसी संपत्तियों के सर्वेक्षण में देरी पर ध्यान दिया था। संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार ने वक्फसंपत्तियों की निगरानी में जिला मजिस्ट्रेटों को शामिल करने पर विचार किया है।

2029 में भी मोदी ही आएंगे: अमित शाह

नई दिल्ली,4 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ के मनीमाजरा में चौबीस घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजना का

रविवार को उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने चंडीगढ़ में कहा भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को तीन चुनाव में मिली सीट से अधिक सीट जीतीं। उन्होंने आगे कहा कि राजग सरकार न केवल अपना यह कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा। शाह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि विपक्ष को जो करना है करने दो, 2029 में एनडीए आएगा, मोदी जी आएंगे।

भूपेश बघेल मनइस गेड़ी तिहार

रायपुर,4 अगस्त। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली के अवसर पर कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने गौमाता को पूर्व मुख्यमंत्री ने चारा खिलाया और उसकी पूजा की। इसके साथ पूर्व सीएम गेड़ी पर चढ़े और थिरकते नजर आए। इस दौरान उनके निवास पर उनके साथ साथ कई कोंग्रेसी नेता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों को तैयार करने नई नीति बनाना आवश्यक

jasclaudius@gmail.com

सुनिश्चित आजीविका होनी चाहिए पहली शर्त

✍ **जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता**

किसी व्यक्ति विशेष के द्वारा खेल को अपना कैरियर बनाने का निर्णय लेना कोई साधारण बात नहीं है। एक समय था जब कहावत बहुत प्रचलित था 'पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब-खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब' कहने का तात्पर्य वर्षों पहले समाज में खेल व खिलाड़ियों को अच्छे दृष्टि से नहीं देखा जाता था और शिक्षा प्राप्त करने वालों का सम्मान अधिक था। समय के परिवर्तन के साथ जब शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने की बात आई तो फिर खेलकूद की महत्ता समझ में आने लगी। आज मानव जीवन में सुबह शाम पैदल चलने का महत्व बढ़ गया है। अब पैदल चाल भी खेल के अंतर्गत आ गया है। लेकिन सुबह शाम घूमने की प्रक्रिया महज समय निकालना नहीं बल्कि शरीर के विभिन्न अंगों का कसरत में शामिल हो जाना है। जिसमें टखना, घुटना, कमर, हृदय, फेफड़े, मस्तिष्क, कलाई आदि पैदल चाल के दौरान सक्रिय हो जाते हैं। इस प्रक्रिया में शरीर से पसीना बहता है। सांसे तेज गति से चलती है और शारीरिक गतिविधि से मांस पेसियां गठीले हो जाती हैं। इस तरह स्पष्ट है जब जीवन में खेलकूद के जरूरत को स्वीकार किया गया तो फिर खिलाड़ियों का भी समाज में सम्मान बढ़ा।

एक खिलाड़ी ने जब खेल को अपना कैरियर बना ही लिया तो फिर उसके भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी सिर्फ अभिभावकों की नहीं उसके जीवनयापन की समस्त सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षाविद्वों, प्रशासनिक अधिकारियों, खेल अधिकारियों, खेल संघों के पदाधिकारियों और समाज के जागरूक व प्रतिष्ठित नागरिकों की है। स्वतंत्रता के 77 वर्षों बाद भी अगर हमारे खिलाड़ी विश्व स्तर पर भारत की या अपनी पहचान बनाने में असफल हैं तो इसकी जिम्मेदारी सिर्फ केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दी जा सकती। वास्तव में हमारे देश में आज तक खिलाड़ियों के भविष्य की आजीविका को लेकर कोई ठोस नीति नहीं बनी है। यह जरूर है कि केंद्र का विषय होने के कारण खेल को लेकर उपलब्धि या असफलता का श्रेय केंद्र सरकार तथा उससे जुड़े खेल संस्थानों,उनको संचालित करने वालों पर डाल दिया जाता है लेकिन इस तरह की सोच पूरी तरह उचित नहीं है। होना तो यह चाहिए जब किसी 9 से 12 वर्ष के बच्चे के अंदर की प्रतिभा की जांच पड़ताल पश्चात यह तय हो जाता है कि वह केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ओलंपिक खेलों या गैर ओलंपिक खेलों में से किसी एक खेल के योग्य पाया जाता है तो फिर 12 से 16 वर्ष की किशोरावस्था उसको खेलकूद व प्रशिक्षण के साथ-साथ उसके शिक्षा और कैरियर निर्माण की दिशा भी तय हो जानी चाहिए। आमतौर पर 15 से 18 वर्ष की उम्र तक उस चयनित खिलाड़ी को सब जूनियर, जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेने के उपरांत 18 से 20 वर्ष तक की उम्र में सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने के योग्य हो जाना चाहिए। दूसरी तरफ जब वह 21 से 24 वर्ष तक की उम्र में पहुंचता है तो वह अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता रखता है। बस यही वह समय है जब एक खिलाड़ी का ध्यान सुनिश्चित व सुरक्षित आजीविका की ओर जाता है। 21 से 24 वर्ष की उम्र में उसके अभिभावकों को उसके भविष्य की चिंता होती है। अब अगर उसके लिए कोई स्पष्ट योजना नहीं है तो फिर उसका ध्यान पूरी तरह खेल पर नहीं लग सकता। यही मुख्य वजह है हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दिखता पाते हैं। चूंकि हमारे देश में इस तरह का कोई विधिवत योजना नहीं है अतः जरूरी है इस दिशा में कोई ठोस रणनीत बनाई जाए। फिलहाल कम से कम 21 से 24 वर्ष की उम्र के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के आगामी 60 वर्ष की उम्र तक के लिए आजीविका के साधन को उपलब्ध कराना चाहिए। ओलंपिक खेलों के विजेताओं को सीधे अखिल भारतीय सेवा या समकक्ष का अधिकारी क्यों नहीं बनाया जा सकता? एशियाई खेलों के विजेताओं को राज्य सरकारों में कम से कम राजपत्रित अधिकारी बनाने की नीति बनाई जानी चाहिए। 30 से 35 वर्ष में खेल से संन्यास लेने पर इन्हीं खिलाड़ियों से प्रशिक्षक की सेवाएं ली जा सकती है। भारत को खेल जगत में स्थापित करने के लिए ऐसे ठोस कदम उठाना चाहिए।

तलाक के खिलाफ पत्नी की याचिका की खारिज

बिलासपुर,4 अगस्त। तलाक के मामले में महिला ने बिना सबूत के अपने पति पर मारपीट और चारित्रिक आरोप लगाया. हाईकोर्ट ने इसे क्रूरता की श्रेणी में माना है. दोनों पक्षों को सुनने के बाद पत्नी द्वारा फैमिली कोर्ट से पारित तलाक की डिक्री के खिलाफ पेश याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है.

दरअसल, याचिकाकर्ता महिला नगर निगम में कार्यरत हैं. उसका विवाह 29 जनवरी 2003 को त्रिवेणी भवन बिलासपुर में हिन्दू रीति-रिवाज से हुआ. पति उनसे 10 साल छोटा था, और पति प्राइवेट दुकान में काम करता था. शादी के बाद पत्नी का लगातार अपने मायके आना जाना लगा रहा, जिसकी वजह से पति से उसका विवाद होता था. इसी बीच 3 जून 2004 को एक बच्चे का जन्म हुआ. पति-पत्नी के बीच लड़ाई जारी रहा. कुछ दिनों बाद पत्नी अपने बच्चे को लेकर मायके चली गई.पति ने इस बीच बच्चे का मुंडन संस्कार के लिए द्वारका जाने कार्यक्रम तय किया, पत्नी ने इसके लिए सहमति दी. बाद में पति व ससुराल वालों की बिना बताए उनकी अनुपस्थिति में बच्चे का मुंडन संस्कार कर दिया. वर्ष 2012 पति अपनी पत्नी को लेने गया, लेकिन पत्नी ने उसके साथ रहने से इंकार कर दिया. इस पर पति ने तलाक की अर्जी परिवार न्यायालय में दी. परिवार न्यायालय ने इसे स्वीकार कर लिया.इसके बाद पत्नी की ओर से हाईकोर्ट में अपील कर तलाक के फैसले को खारिज करने की मांग की गई. हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद परिवार न्ययालय के फैसले को बरकरार रखा है. मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि, महिला ने अपने पति पर मारपीट और चारित्रिक लांक्षन का जो आरोप लगाया है, वह मनगढंत है. और उक्त आरोप को प्रमाणित करने के लिए कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया गया है.

एक नजर

शराब दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस संदेहियों से कर रही पूछताछ

भिलाई 4 अगस्त। कोतवाली थाना क्षेत्र नयापारा स्थित देशी शराब दुकान में 25 जुलाई की आधी रात को हुई चोरी के मामले में पुलिस संदेहियों को पकड़कर उनसे पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस को शराब दुकान से चोरी हुआ लोहे का गल्ला सुनसान क्षेत्र में स्थित झाड़ियों में पड़ा हुआ शनिवार की सुबह मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शनिवार की सुबह देशी शराब दुकान के पीछे बने तालाब में शराब दुकान से लगभग 500 मीटर दूर झाड़ियों में लोहे का गल्ला बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है। आरोपियों ने लोहे के गल्ले को तोड़कर उसमें रखी लगभग 10 लाख रुपए की रकम को पार कर दिया। रकम निकालने के बाद आरोपियों ने गल्ले को सुनसान क्षेत्र में फेंक दिया था दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई विजय यादव ने बताया कि इस मामले को लेकर कोतवाली थाना पुलिस एवं क्राइम ब्रांच टीम द्वारा संदेहियों से लगातार पूछताछ की जा रही है उल्लेखनीय है कि 25 जुलाई की आधी रात को कुछ आरोपियों ने देशी शराब दुकान का ताला तोड़कर वहां पर लगे लोहे के गल्ले को उखाड़ कर ही चोरी कर लिए थे उस गल्ले में लगभग 10 लाख रुपए थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

भिलाई 4 अगस्त। खुर्सीपार थाना अंतर्गत खुर्सीपार चौक में सिग्नल पर शुक्रवार देर रात बाइक सवार 3 लोग सामने जा रहे ट्रेलर से टकरा गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि लोकेश चंदेल पिता दूधराम चंदेल (23 वर्ष) निवासी जांजगीर-चांपा रायपुर में हमाली का काम करता था। बाइक पर सवार होकर भिलाई से रायपुर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक लोकेश का दोस्त चला रहा था और वह पीछे बैठा था उनके आगे बड़ा ट्रेलर जा रहा था। रात करीब 9.30 बजे खुर्सीपार गेट के पास सिग्नल में रेड लाइट जली। इससे ट्रेलर ने ब्रेक लगाया तो पीछे से बाइक सवार टकरा गए टक्कर इतनी तेज थी कि, लोकेश के सिर पर गहरी चोट आने से वो बेहोश हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत डायल-112 को बुलाया और सभी को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने लोकेश को मृत घोषित कर दिया ट्रेलर की चपेट में आने वह अपने दो साथियों के साथ किसी काम से दुर्ग आया था जहां से तीनों एक।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

भिलाई 4 अगस्त। बलौदाबाजार में हिंसा मामले में पुलिस ने खुर्सीपार से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 10 जून को सतनामी समाज के आंदोलन के बाद उपजी हिंसा में युवक के शामिल होने के पुलिस पुख्ता सबूत मिले थे। उस आधार पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया। घटना के बाद बलौदाबाजार कोतवाली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। सीसीटीवी और सोशल मीडिया से प्राप्त वीडियो और फोटो के माध्यम से आरोपियों की पहचान की जा रही है। इसी आधार पर पुलिस ने खुर्सीपार निवासी संतोष भारती (25 वर्ष) की पहचान की। प्रकरण में अब तक 176 लोगों की गिरफ्तार हो चुकी है।

लिफ्ट गिरने से 4 लोग घायल

भिलाई 4 अगस्त। वैशाली नगर थाना अंतर्गत शकुंतला अपार्टमेंट में लिफ्ट गिरने से 4 लोग घायल हो गए। इसमें दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है उन्हें उपचार के लिए श्री शंकराचार्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद से वहां के रहवासियों में काफी आक्रोश है वैशाली पुलिस ने बताया कि शकुंतला अपार्टमेंट में शुक्रवार दोपहर की है। चौथे माले में शिव चौधरी रहते हैं उनके यहां शुक्रवार को मेहमान आए हुए थे वे लोग लिफ्ट से उनके यहां जा रहे थे। जैसे ही लिफ्ट ऊपर गई अचानक बीच में उसका वायर टूट गया और लिफ्ट सीधे नीचे जा गिरी उस समय लिफ्ट में बच्चों सहित चार लोग सवार थे चारों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी को श्रीशंकराचार्य हॉस्पिटल ले जाया गया वहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

निगम की अतिक्रमण टीम ने दर्जनभर घुमंतू मवेशियों को पकड़ा, लगातार पकड़ने चला रही है अभियान

दुर्ग, 4 अगस्त। नगर पालिक निगम।जिला कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने बरसात के दिनों में सड़कों में पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आयुक्त लोकेश चन्द्राकर को शहर क्षेत्र में सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं।आज राजेन्द्र पार्क,पटेल चौक,गांधी प्रतिमा के आस पास से लेकर गंज पारा चौक से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान में भेजा गया।उन्होंने कहा कि पशु सड़क पर विचरण करते अथवा बैठे हुए पाये जाने पर पशुपालकों से जुर्माना राशि वसूली जाए। वहींनगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगमाधिकारियो को निर्देश दिया कि कार्रवाही के दौरान पशुपालकों को मवेशियों के लिए व्यवस्था के लिए समझाइस दी जाए,इसके बावजूद भी मवेशी सड़क पर विचरण करते अथवा बैठे हुए पाएं जाने पर मवेशी मालिको से जुर्माना राशि वसूल करने हेतु आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने बताया कि लगातार शहर क्षेत्र से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजा जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा।उन्होंने दुर्घटना से बचने मवेशी मालिक अपने जानवर को निर्धारित स्थल में बांध कर रखने तथा चौक-चौराहों व सड़कों पर घुमने पशुओं को खुला न छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि चौक-चौराहों व सड़कों पर खुला घुमते पाये जाने पर पशुओं को नगर निगम के अमले द्वारा पकड़कर गौठान में बंद कर नियमानुसार शुल्क व जुर्माना का भुगतान करने के उपरांत ही मुक्त कर संबंधित पशु पालकों को सौपा जायेगा।

डिप्टी सीएम ने योजनाओं, निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा 4 अगस्त। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा कबीरधाम जिले के समग्र विकास, किसानों के आर्थिक विकास के लिए नई सिंचाई परियोजनाओं, वनांचल सहित सूदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कबीरधाम जिले के दो दिवसीय प्रवार के दौरान कलेक्ट्रोरेट कार्यालय के सभा कक्ष में केन्द्र तथा राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमो की गहन समीक्षा की। उन्होने समीक्षा बैठक में जिले के वनांचल क्षेत्रों में अधोसंरचना, पुल-पुलिया, सड़क,पीएम जनमन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,कृषि उपज मंडी के स्वीकृत विकास कार्य, विधायक निधी, प्रभारी मंत्री द्वारा स्वीकृत कार्य, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास कार्य, त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थानों के क्षमता विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य, मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्य, पीएमजीएसवाय, लोक निर्माण विभाग के कार्य सहित नई सिचाई परियोजनाओं, वनांचल सहित सूदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की गहन समीक्षा की। उन्होने संबंधित विभागों को स्वीकृति के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर जनमेजय महोबे, वनमंडलाधिकारी शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, अपर कलेक्टर निर्भय साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विभिन्न मदों से स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वीकृत निर्माण कार्यों में तेजी लाएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी स्वीकृत कार्य को पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होने कृषि उपज मंडी द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्य को प्रारंभ नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जाताई। उन्होने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य मे अलग गुणवत्ताहीन की शिकायत मिलती है ऐसे निमाणं कार्यों की सभी पहलुओं की जांच कराई जाएगी और संबंधित विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए निर्माण एंजेसी तथा संबंधित ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रगति उनके गुणवत्ता को विशेष ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।उन्होने कलेक्टर को समय-समय पर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए भी कहा। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कबीरधाम में जिले किसानों के आर्थिक समृद्धि के लिए जिले के सूदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की पांच नई शाखा खोलने के प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। इन पांच नई बैंकिंग शाखाओं में सूदूर वनांचल क्षेत्र के ग्राम चिल्पी, कोयलारी, झलमला, सुरजपुर और राजानवागांव शामिल है। इन ग्रामो में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार होने से क्षेत्र के हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा साथ ही शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर मिलेगे। उन्होंने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को राजनांदगांव से पृथक कर स्वतंत्र कबीरधाम जिले के लिए बैंक खोलने के प्रस्ताव बनाने के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के केन्द्रीय जिला सहकारी बैंक कबीरधाम जिले के कुकदूर से लेकर मानपुर-मोहला तक कुल चार जिले संचालित हो रहे है।

सराफा व्यापारी का सोना पार करने वाला निकला दूसरा सराफा व्यापारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 अगस्त । सराफा कारोबारी के अपनी स्कूटी को अंसारी होटल के सामने खडी कर खाना खाने जाने के दौरान उसके स्कूटी सहित उसमें 7 सौ ग्राम से अधिक रखे 50 लाख का सोना चोरी करने वाले चोर को सुपेला पुलिस ने एक सप्ताह तक काफी मशक्कत करने के बाद अंतत: गिरफ्तार कर लिया। सोना चोरी करने वाला भी सराफा व्यापारी ही निकला। कई दिनों से नरेश सोनी और आनंद सोनी दूसरे कारोबारी का सोना चुराने की ताक पर था। एक दिन मौका मिला और स्कूटी के साथ उसने सोना पार दिया। उसने अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण अपने एक साथी के साथ मिलकर दूसरे चाबी से उसकी स्कूटी का ताला खोलकर स्कूटी लेकर फरार हो गये और दोनो आपस में आधा आधा सोना बांट लिये। इस मामले का पत्रकारों के सामने खुलासा करते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि 25 जुलाई को वैशाली नगर निवासी सागर हिम्मत जरे ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी।

अपनी शिकायत में उसने बताया कि दुर्ग स्थित जेबीआर रिफाइनरी दुकान में सोना गलाने का काम करता है। उसने बताया कि 25 जुलाई को वह अपनी दुकान से सोना अपनी स्कूटी की डिक्की में रखकर रात 9 बजे खाना खाने से अंसारी होटल गया था। इस दौरान स्कूटी अंसारी होटल के बाहर पार्क किया था। खाना खाकर लौटने के बाद देखा कि स्कूटी वहां नहीं थी। शिकायत के आधार पर सुपेला पुलिस ने मामले में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

मुख्यमंत्री साय हेलीकॉप्टर से भोरमदेव में कावड़ियों पर करेंगे पुष्प वर्षा: विजय शर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा 4 अगस्त। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी 5 तारीख सोमवार को सुबह 7 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रायपुर से प्रस्थान करेंगे । लगभग 7:30 बजे भोरमदेव पहुँचेंगे और वहाँ हजारों की संख्या में सैकड़ो किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिव जी का जला अभिषेक करने पहुँचे शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा उपरांत ।भोरमदेव प्रांगण में पुष्प वर्षा उपरांत उनका कवर्धा आगमन 8 बजे होगा। वे इस दौरान सुबह 8:30 बजे तक कवर्धा के प्राचीन प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में पंचमुखी बूढ़ा महादेव का दर्शन, पूजन अभिषेक करेंगे । पूरे कार्यक्रम में कवर्धा के स्थानीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ रहेंगे ।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ में भोरमदेव व प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में श्रावण मास में विशेष रूप से हजारों की संख्या में कवारियाँ पूरे माह भर अमरकंटक नर्मदा जल लाकर अभिषेक करते है । तकरीबन 25 से 30 वर्षों से यह परंपरा जारी है और लगातार कावड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है । छत्तीसगढ़ में यह पहली बार होगा जब प्रदेश के मुखिया शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे । इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कावड़ियों बोल बम समिति में काफी उत्साह है ।

प्राथमिक शाला कौडीकसा में सावन महोत्सव मनाया

मोहला 4 अगस्त। सावन के पवित्र माह में प्राथमिक शाला तरियापारा कौडीकसा में आज सावन महोत्सव आयोजित किया गया कार्यक्रम एक दिन माताओं के नाम से रखा गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले की समाजसेवी व भाजपा नेत्री नम्रता सिंह उपस्थित रही। स्कूल प्रबंधन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में स्कूल मे अध्यनरत छात्र-छात्राओं की माताएं एवं प्राथमिक शाला की सक्रिय विशेष सहयोग प्रदान करने वाली माताओं को आमंत्रित करतें हुए उनका सम्मान किया गया। शासन के मनसा अनुरूप स्कूल से जन समुदाय को शाला से सीधे जोड़ने की योजना है इसी तारतम्य में जिले मे इस तरह का पहला कार्यक्रम प्राथमिकशाला कौड़ीकसा तरियापारा में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मूलत: किसानी से जुड़ी आदिवासी महिलाएं सिंगार कर स्कूल पहुंची इन जागृत महिलाओं के द्वारा स्कूल के बाद घर में बच्चो को शिक्षा देने तथा सुबह शाम अपने बच्चों को पढ़ने के लिए सतत् प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नम्रता सिंह के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए आश्चर्य है कि एक गांव की महिलाएं जो खेती किसानी के साथ जुड़े रहने के साथ साथ अपनी अपनी रसोई के दिनचर्या से ऊपर उठकर बच्चों के शिक्षा के लिए बेहद गंभीर हैं उन्होंने बच्चो की शिक्षा दीक्षा के लिए माताओं का अहम भूमिका बताते हुए स्कूल के शिक्षिका सुवित्रा सोनी व सरोज साहू को बधाई दी जिन्होंने लगातार नित नये प्रयोग कर सरकारी स्कूल में रोचक व्यवस्था बनाते हुए छात्र छात्राओं सहित उनके पालकों को सीधे जोड़ रहे हैं।

सर्विसेस जोन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 अगस्त । भिलाई इस्पात संयंत्र के सर्विसेस जोन के अंतर्गत आने वाले विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने हेतु कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार उपस्थित थे। समारोह में अप्रैल 2024 के लिए एमआरडी विभाग के अप्पा राव, टी एंड डी विभाग के जय कुमार व गोविंद तथा मई 2024 के लिए आरएमडी के आर एस साहू, टी एंड डी विभाग के संदीप कुमार व महेश गंगवानी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार

का प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं उनके जीवन साथी हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक तुषार कांत, महाप्रबंधक प्रभारी इंद्रजीत सेनगुप्ता, महाप्रबंधक मनोज प्रसाद, महाप्रबंधक आलोक माथुर, महाप्रबंधक एस. एन गजभिए, महाप्रबंधक आर के सिंह, महाप्रबंधक जितेंद्र कुमार, महाप्रबंधक रंजन भारती एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। संचालन कनिष्ठ अधिकारी डॉ उपेंद्र कुमार शर्मा ने किया एवं सहायक महाप्रबंधक श्रीमती जया राँव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अफजल खान, सुश्री टिकेश्वरी, सुश्री प्रिया ठाकुर, श्रीमती सोमा रानी एवं अंजोर सिंह तथा सर्विसेस जोन के सदस्यों ने विशेष योगदान दिया।

मिशन लक्ष्मी के तहत स्वस्थ जीवन की जानकारी दी गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 अगस्त । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा सेक्टर-10 स्थित इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल में मिशन लक्ष्मी के तहत एक व्यापक स्वास्थ्य शैक्षणिक कार्यक्रम और निःशुल्क स्त्री रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की चिकित्सा टीम द्वारा, भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग और शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया। उद्घाटन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर, महाप्रबंधक शिवराजन नायर, महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती शिखा दुबे, स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती सुमिता सरकार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी गण सहित बड़ी संख्या में स्कूली छात्र उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ ने अपने संबोधन में, राष्ट्र के विकास में महिलाओं के स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वस्थ रहने का प्रयास बचपन से ही शुरू किया जाना चाहिए। डॉ. रविन्द्रनाथ ने छात्राओं से इस शिविर का सर्वोत्तम लाभ लेने और

चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञों से स्वस्थ जीवन की बारीकियों को सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कि स्वस्थ आदतें स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर ले जाती हैं। डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर ने, छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपनी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को समझने के लिए जीवनोपयोगी ज्ञान से समृद्ध हों और आवश्यकता पड़ने पर बीएसपी से चिकित्सा सहायता भी प्राप्त करें। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्त्री रोग और किशोरावस्था स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका परामर्शदाताओं द्वारा समाधान किया गया। एसीएमओ डॉ. रोशन हुसैन ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. शुभस्मिता ने छात्राओं के साथ चर्चा के दौरान किशोरावस्था और उससे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। सुश्री पारोमिता दासगुप्ता ने छात्रों को स्वस्थ आहार का पालन करने की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूक किया। कनिष्ठ अधिकारी श्रीमती शशि सिंह द्वारा छात्रों को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों के बारे में जागरूक करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक बी.के. श्रीवास्तव, डीएनबी डॉ. प्राची सुश्री डी. शैरैया, सुश्री आर. सिसिली, सुश्री छाया दिनकर, तरुण कुमार साहू और वरिष्ठ व्याख्याता के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया।

समाचार संक्षेप

नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को सौंपे गए पदोन्नति आदेश

भिलाई, 4 अगस्त । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के 15 अधिकारीगण, मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किए गए। पदोन्नति का यह आदेश 30 जून 2023 से लागू किया गया है। इसके लिए पदोन्नति आदेश सौंपने हेतु शनिवार को इस्पात भवन के डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा पदोन्नति आदेश सौंपे गए। इस आयोजन में किसी कारणवश 2 मुख्य महाप्रबंधक अनुपस्थित रहे। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफी के चेयरमैन एन के बंछोर और महासचिव (ओए) परविंदर उपस्थित थे। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को बधूंअली संबोधित किया और उन्हें उनके नए अधिग्रहीत पदों के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी। निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा, कि योग्य उम्मीदवारों में से नए मुख्य महाप्रबंधकों का चयन करना एक कठिन निर्णय था। महाप्रबंधक श्रीकांत रामाराजू ने कार्यक्रम का संचालन किया।

पेयजल एवं सीवर समस्या को लेकर विधायक एवं महापौर ने की समीक्षा

दुर्ग 4 अगस्त। नगर पालिक निगम के डाटा सेंटर में विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आयुक्त लोकेश चन्द्राकर समेत अधिकारी/कर्मचारियो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए, शहर की जनता को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले. पानी शुध्दता पर ध्यान देना अतिआवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक एवं घरेलु नल कनेक्शन में वाल्व लगावें.पानी नहीं आने की ज्यादा शिकायत शंकर नगर एवं पटरीपार क्षेत्रों में है. जिसे सुधारा जाना अतिआवश्यक है. विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कहा गया कि शहरी क्षेत्रो के अंदर बीस दिनों के भीतर जिन जिन क्षेत्रों में समस्या है उसका निराकरण करें. शहर में 21 टंकियों का निर्माण किया गया है. जिनमें सभी टंकियों को चालू किया गया है परंतु सभी टंकियां के पुरानी लाइनों को बंद नहीं किया गया है जिन्हें शीघ्र बंद कर नई लाइनों में पानी का सप्लाई करने के आदेश दिए गए हैं । बैठक में बताया गया कि पुराने एवं नए पाइप लाइन से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिसके कारण कई जगह पानी के प्रेशर में कमी आती है।.सभी गलियों को पाइप लाइन से जोड़ने की योजना शीघ्र अतिशीघ्र बनाये ताकि पर्याप्त मात्रा में पानी की सप्लाई हो सके।समीक्षा बैठक के दौरान सभापति राजेश यादव,जल कार्य प्रभारी संजय कोहले,शंकर ठाकुर, उपनेता प्रतिपक्ष देवनारायण चंद्राकर, प्रकाश जोशी,काशी राम कोसरे, शेखर चंद्राकर,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता गिरीश दिवानं,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता मोहित मरकाम,जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर उपस्थित थे.शहर में कहीं भी पेयजल की समस्या न हो तथा नलकूप की मोटर खराब होने पर समय सीमा में आवश्यक रूप से ठीक की जाए यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सीवर से संबंधित शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण किया जाए।जिसमें पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल एवं सीवर से संबंधित समस्या से विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। आमजन को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा है।जिस पर विधायक एवं महापौर ने सभी समस्याओं को सुनकर सभी अधिकारियों को बैठक में आई समस्याओं का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 वे वित्त से कहां कहां पेयजल एवं सीवर लाइन डाली गई हैं।नगर निगम द्वारा अपील कर कहा गया है कि सभी नागरिक अपने घरों के नल कनेक्शन में वाल्व लगावें. पानी व्यर्थ बहते पाए जाने पर कार्रवाही की जावेगी।

एक नजर

मुख्यमंत्री साय महिलाओं का कर रहे हैं सम्मानः सोहन साहू

छुरिया 4 अगस्त। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के महिलाओं को सौगात देते हुए माहतारी वंदन योजना के तहत छठवीं किस्त जारी की प्रदेश के 70 लाख से अधिक महतारियों को योजना के तहत करीब 655 करोड़ की राशि जारी की गई इस पर युवा मोर्चा अध्यक्ष सोहन साहू ने कहा प्रदेश की विष्णु देव सरकार मोदी की हर गारंटी को पुरा करनें का काम किया जा रहा है सुशासन समृद्धि का नया आयाम कायम किया जा रहा है महतारी वंदन योजना इसकी बहुत बड़ी मिसाल है मार्च 2024 से महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है उनके बैंक खातों में सीधे राशि आ रही है इस योजना के तहत 1 अगस्त को फिर राशि खाते में डाला गया है इससे महिलाओं को रक्षाबंधन में काफी उत्साह का संचार होते दिख रहा है विष्णु देव सरकार ने महतारी वंदन योजना का एक एफ भी जारी किया गया है जिससे महिलाओं को काफी सूहोलियत होगी कृषक उन्नति योजना से कृषक खुशहाल हो रहे हैं लोगों को प्रधानमंत्री आवास के तहत पक्के मकान मिल रहे हैं बेरोजगारों को रोजगार मिल रही है मोदी है तो मुमकिन है कि दिशा में निरंतर विकास की नई इबरत लिखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी इस तरीका से प्रदेश के मुख्यमंत्री हर वर्ग के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं जो प्रशंसानिय है।

निगम के जन शिकायत शिविर में अब तक 85 फीसदी आवेदन मौके पर निराकृत

रायपुर 4 अगस्त। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 27 जुलाई से जन शिकायत निवारण पखवाड़ा आयोजित हो रहा है। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों की शहरी सुविधाओं से संबंधित शिकायतों को दूर करने शिविर आयोजित हो रहे है। शिविर में अब तक 15003 हजार आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें से 85 फीसदी आवेदन निराकृत किए जा चुके है। शिविर में मांग संबंधी आवेदनों पर भी नगर निगम कार्यवाही कर रहा है एवं संबंधित विभागों को परीक्षण हेतु भेजकर उनसे शीघ्र अभिमत देने कहा गया है। नगर निगम कमिश्नर श्री अबिनाश मिश्रा के अनुसार शिविरों के जरिए सुविधाओं का लाभ उठाने नागरिक हर शिविरों में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। शिविरों में ज्यादातर राशन कार्ड नवीनीकरण, आधार कार्ड सुधार, आय प्रमाण पत्र, श्रम पंजीयन, आयुष्मान कार्ड के आवेदन प्राप्त हुए है। जोन वार आयोजित शिविरों में इन आवेदनों का तत्काल निराकरण कर आवेदकों की सहायता की जा रही है। उन्होंने बताया कि वार्ड वार प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शिविरों का आयोजन 10 अगस्त तक होगा। शिविर के 8वें दिन जोन 1 में गोगांव स्कूल, जोन 6 में संजय यादव स्कूल टिकरापारा, जोन 7 में कुकुरबेड़ा सामुदायिक भवन एवं जोन 8 में मंगल भवन कोटा में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में कुल 740 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 726 मांग संबंधी आवेदन रहें। इन आवेदनों में से 561 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया है एवं शेष आवेदनों को अग्रिम कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया गया है। रविवार को जोन 1 के सियान सदन गुढ़ियारी, जोन 5 के चंगोराभाठा सांस्कृतिक भवन, जोन 6 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, मठ पुरैना पानी टंकी के पास एवं जोन 10 में कंदकोट सिंधी धरमशाला, आदर्श नगर में शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए अधिकारी पहुंचे ग्राम पंचायत चिल्हाटी

मोहला 4 अगस्त। भारत सरकार, स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) निर्देशक श्रीमती स्वप्ना रेड्डी ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी के एक दिवसीय निरीक्षण/भ्रमण गतदिवस 2 अगस्त को किया गया। विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत चिल्हाटी मणीकंचण स्व.सहायता समूह, कचरा संग्रहण केन्द्र में स्वच्छाग्राही दीदीयों से ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन ईकाई में चल रहे कार्यो के संबंध में चर्चा किया गया। जिसमें घरों से निकलने वाले सूखा कचरा संग्रहण, घरों से लिए जाने वाले टैक्स एवं कचरा संग्रहण से समूहों की आमदनी आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा किए। तद् पश्चात् आमाटोला पहुंच कर ग्रे-वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर, सामुदायिक शौचालय सह-व्यवसायिक परिसर ग्राम पंचायत गोपलिनचुवा में व्यसायिक परिसर की आय-व्यय की जानाकरी लिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सी.ई.ओ. सुश्री सुरूची सिंह, जिला ग्रामीण विकास प्रशासन मोहला-मानपुर-अं.चौकी श्री हेमंत ठाकुर, जनपद पंचायत अं.चौकी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रियंवदा रामटेके, राज्य स्वच्छ भारत मिशहन-ग्रामीण छ.ग. के राज्य सलाहकार श्री पुरूषोत्तम पांडा एवं श्रीमती मधुरिमा, सहायक विकास विस्तार अधिकारी श्री योगष कुमार पिस्दा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जिला समन्वयक श्री छोटेलाल साहू, खण्ड समन्वयक श्री शेखर सिन्हा, वाटर-एड जिला समन्वयक श्री राजू राठौर, आई.बी.ग्रुप पहल टीम उपस्थित रहे।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहला ने कराया न्योता भोजन

मोहला 4 अगस्त। सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत न्योता भोजन अवधारणा प्रारंभ किया गया है। इसके तहत विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहला श्री राजेंद्र कुमार देवांगन ने परिवार सहित अपने माता स्व. सुमित्रा बाई देवांगन की स्मृति में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला पाऊरखेड़ा विकासखंड मोहला के बच्चों को न्योता भोजन कराया। इस न्योता भोजन में जिला परियोजना निदेशक श्री हेमंत ठाकुर एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री फत्तेराम कोसरिया, शाला विकास समिति के अध्यक्ष श्री मोचीराम चुरेंद्र, प्रधान पाठक श्री जितेंद्र ठाकरे समेत स्टाफ कर्मचारी तथा ब्लॉक संकुल समन्वयक व ग्राम नागरिकगण उपस्थित थे। न्योता बच्चों को खीर, पूरी, चावल, दाल, सब्जी, पापड़, सलाद परोसा गया तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी व उनके धर्म पत्नी ने बच्चों को कॉपी, पेन भी वितरित किया। न्योता भोजन उपरांत सभी स्कूली छा-छात्राओं व शिक्षको ने देवांगन दंपति को धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिवजी के मंदिर जाने का नियम तोड़ना नहीं चाहिएः पं. प्रदीप मिश्रा

■ नियम बना लेंने से भगवान भोले भंडारी भक्तों का भंडार भर देते है

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 अगस्त। शहर के गौरव पथ स्थित पद्मश्री आडिटोरियम में 2 अगस्त शुक्रवार से प्रारंभ अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पं0 प्रदीप मिश्रा जी के श्री महाशिवपुराण कथा आयोजन में बरसते पानी में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। कथा श्रवण के लिए भक्तों के उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा चाक- चौबंद व्यवस्था की गई थी।

शनिवार के श्री महाशिवपुराण कथा आयोजन में भगवान भोलेनाथ की कृपा किस तरह बरसती है इस संदर्भ में महराज जी ने कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को एक नियम बना लेना चाहिए। किसी भी मंदिर देवालय जाने का भी ?एक नियम होना चाहिए। नियम टूटना नहीं चाहिए। नियम बना लेने से मेरे भगवान भोले भंडारी को भक्तों का भंडार भरने ?आना ही पड़ता है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति ने अपने गांव के कुम्हार के रोजाना मुख देखने का नियम बना लिया। वह रोजाना सुबह उसके घर जाकर उसके मुख देखकर ही अन्य काम करता था।एक दिन उक्त कुम्हार के दिखाई नहीं देने पर उसकी ?पत्नी? से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि वह मिट्टी खत्म हो गई अतः मिट्टी लाने दूसरे गांव गया हुआ है। उक्त व्यक्ति गांव का पता पुछ कर उसे देखने चला गया। इस समय कुम्हार मिट्टी खोदने में लगा हुआ था। ऐसे में ही अचानक कुम्हार केहाथ मू सोने का हंडा लग गया। जिसे उक्त व्यक्ति ने भी देख लिया। गरीबी परिस्थिति में गुजर?-बसर करने वाला कुम्हार से हंडा मिलने की बात किसी को नहीं बताने? की याचना की, पर उस व्यक्ति ने हंडा देखकर भी अनदेखी कर दिया। इधर कुम्हार भी उक्त सोने? के हंडे को अकेले नहीं हड़पना चाहता था अतः दोनों में उसे बांट लेने? को? राजी हो गए। महराज जी ने बताया कि यदि उक्त व्यक्ति अपना नियम तोड़ देता तो न कुम्हार को कुछ? मिल पाता और न उस व्यक्ति को कुछ मिलता। नियम की रक्षा करने से कुम्हार को भी उक्त व्यक्ति का फल मिल? गया। महराज जी ने कहा कि जिस तरह किसान को अपने खेत? मे भेंड़ बिठा देने से पांच साल तक खेत की उर्वरता बनी रहती है उसी तरह अपने मन मंदिर में मेरे भोलेनाथ ?को बिठा लेने? से युगों तक भगवान भोले भंडारी आपके हृदय स्थल में जगह बनाएं हुए रहते हैं।

शनिवार दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक सुमधुर भजन-कीर्तन, गीत?- संगीत के साथ अनवरत रूप से चले इस श्री महाशिवपुराण कथा श्रवण के लिए पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, उद्योगपति दामोदरदास मूंदड़ा, सत्यनारायण, पुरुषोत्तम ?गांधी व माहेश्वरी समाज के बड़ी संख्या में नर - नारियों ?सहित श्रीमती आशा गुप्ता, अमित खंडेलवाल,सुरेन्द्र गुप्ता, कमल सोनी, वरिष्ठ पत्रकार अशोक पांडे, राजेश? पांडेय, पार्षद भागचंद ?साहू?,सुंनील साहू , महेश? साहू, पार्षद श्रीमती खेमिन बाई दुलारी बाई सहित अनेकों भाजपा और? कांग्रेस के पार्षदों के अलावा बड़ी संख्या में भगवान भोले भंडारी के भक्त जनों की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 अगस्त। शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ 2024 में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए फसलों की बीमा कराने की तिथि को बढ़ाते हुए 16 अगस्त 2024 कर दिया गया है। भारत सरकार ने सभी अधिसूचित फसलों के लिए ऋणी एवं अऋणी किसानों के नामांकन के लिए कट ऑफ की तिथि को 16 अगस्त कर दिया है। जिले के कृषकों से निर्धारित तिथि तक अपने फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है। उप संचालक कृषि श्री नागेश्वर लाल पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसान मुख्य फसल धान सिंचित, धान असिंचित एवं अन्य फसल मक्का, मूंगफल्ली, मूंग, उड़द, सोयाबीन, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी का बीमा करा सकते हैं। किसानों के फसल को प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, कीटव्याधि, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए बीमा में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ऋणी एवं अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो सम्मिलित हो सकते हैं, जो किसान अधिसूचित ग्राम व राजस्व निरीक्षक मंडल में अधिसूचित फसल के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत, नवीनीकृत की गई हो। योजना ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन आधार पर क्रियान्वित होगी, ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते है, उन्हें स्व हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन के अंतिम तिथि के 7 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्था में जमा करना होगा। विकल्प चयन नहीं करने पर अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जाएगा। इनके अलावा ऐच्छिक आधार पर अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी गैर ऋणी किसान जो योजना में सम्मिलित होने के इच्छुक हो, वह बुआई प्रमाण पत्र क्षेत्रीय पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा सत्यापित कराकर एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत मौसम खरीफ वर्ष 2024-2025 तक जिले के लिए भारतीय कृषि बीमा कंपनी का चयन निविदा के आधार पर हुआ हैं। किसानों द्वारा प्रदाय किए जाने वाली प्रीमियम दर, खरीफ वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कुल बीमित राशि का 2 प्रतिशत मुख्य फसल धान सिंचित 1200 रूपए, धान असिंचित 900 रूपए एवं अन्य फसल मक्का 900 रूपए, मूंगफल्ली 840 रूपए, मूंग एवं उड़द 540 रूपए, सोयाबीन 960 रूपए, अरहर 760 रूपए, कोदो 320 रूपए, कुटकी 340 रूपए एवं रागी 300 रूपए किसानों द्वारा प्रीमियम राशि देय है। एक ही अधिसूचित क्षेत्र एवं अधिसूचित फसल के लिए अलग-अलग वित्तीय संस्थाओं से कृषि ऋण स्वीकृत होने की स्थिति में किसानों को एक ही स्थान से बीमा कराया जाना है। इसकी सूचना किसानों को संबंधित बैंक को देनी होगी। ऋणी एवं अऋणी किसानों द्वारा समान रकबा, खसरा का दोहरा बीमा कराने की स्थिति में जो रकबा पहले प्रविष्टि की गई हो को स्वीकार किया जाएगा तथा अन्य सभी बीमा को कंपनी द्वारा निरस्त किया कर प्रीमियम की राशि योजना प्रावधानानुसार अंतरित (राजसात) किया जाएगा। इसके संबंध में देशव्यापी हेल्पलाईन नंबर 14447 एवं 18004190344 से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कृषक निर्धारित अंतिम तिथि अपने फसलों का बीमा कराकर पावती अवश्य कर ले। बीमा हेतु आधार कार्ड अनिवार्य है एवं ऋण पुस्तिका, बैंक पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए अपने समिति, संबंधित बैंक, बीमा प्रदायक कंपनी भारतीय कृषि बीमा कंपनी, लोक सेवा केन्द्र, एआईडीई मोबाईल एप से भी अपने फसलों का बीमा करा सकते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन टीम ने किया ग्रामों में संचालित एवं क्रियान्वित कार्यों का निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 3 अगस्त। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) नई दिल्ली की निदेशक श्रीमती स्वप्ना रेड्डी एवं कंसलटेंट श्री नीरज तिवारी द्वारा राजनांदगांव एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में संचालित एवं क्रियान्वित कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, राज्य सलाहकार श्री पुरूषोत्तम पंडा एवं श्रीमती मधुरिमा, परियोजना निदेशक-डीआरडीए श्री हेमंत ठाकुर एवं सीईओ जनपद पंचायत चौकी श्रीमती प्रियंवदा रामटेके उपस्थित थी। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) नई दिल्ली के निदेशक श्रीमती स्वप्ना रेड्डी एवं कंसलटेंट श्री नीरज तिवारी द्वारा राजनांदगांव जिला अंतर्गत डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत अर्जुनी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र तथा ग्राम पंचायत अमलीडीह में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का निरीक्षण किया तथा आवश्यक जानकारी ली। इसके बाद मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला अंतर्गत अम्बागढ़ चौकी विकासखण्ड के मॉडल ग्राम पंचायत चिल्हाटी, आमाटोला, गोपलिंचुवा का निरीक्षण किया गया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित एसएलडब्ल्यूएम, ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, सामुदायिक शौचालय सह व्यवसायिक परिसर के कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी भी ली गई। निरीक्षण के दौरान जिला स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक, जिला सलाहकार, ब्लॉक समन्वयक एवं अन्य संबंधित अधिकारी, ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव, वाटरएड से श्री राजू राठौड़ एवं एबिस पहल की टीम उपस्थिति थी।

जनसमस्या निवारण शिविर में बरसते पानी में वार्डवासी पहुंचे

राजनांदगांव 4 अगस्त। शासन निर्देशानुसार वार्डवासियों की समस्या का निराकरण वार्ड में ही करने नगर निगम द्वारा जन समस्या निवारण शिविर वार्डो में लगातार आयोजित किया जा रहा है। शिविर में आवेदकों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम पंजीयन का त्वरित लाभ दिया जा रहा है, वही बिजली, पानी सफाई, निर्माण कार्य तथा राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास का लाभ देने आवेदन लिया जा रहा है। प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने विभागवार सूचीबध किया जा रहा है। वार्ड नं. 19,23,44 व 45 के लिये आज आर.के.नगर चौक स्थित गोडवाना भवन में आयोजित शिविर में वार्डवासी बरसते पानी में शिविर का लाभ लेने पहुँच मांग के 100 एवं शिकायत के 15 कुल 115 आवेदन दिये, जिसमें 25 आवेदन का शिविर में ही निराकरण किया गया तथा 4 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण भी कराये। आज गोडवाना भवन में वार्ड नं. 19,23,44 व 45 के लिये आयोजित शिविर में 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुये जिनमें जल विभाग के 7 आवेदनों में 5 नल कनेक्शन लगाने व 2 कौरिनभाठा में पानी नही आने शिकायत संबंधी, बी.पी.एल. राशन कार्ड बनाने 2 आवेदन, स्वयं की भूमि में आवास निर्माण के लिये 35 आवेदन तथा पट्टा के लिये 2 आवेदन, नामांतरण कराने 3 आवेदन व स्व रोजगार के लिये 10 हजार ऋण हेतु 4 आवेदन के अलावा स्ट्रीट लाईट मरम्मत के लिये 4 आवेदन, कौरिनभाठा, सहदेव नगर क्षेत्र में नाली सफाई संबंध 4 आवेदन एवं लोककर्म अंतर्गत भवन में मोटर पंप बदलने के अलावा निर्माण संबंधी 28 आवेदन प्राप्त हुयें।

समाचार संक्षेप

कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची ग्राम खपरीखुर्द

राजनांदगांव 4 अगस्त। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम खपरीखुर्द में कुछ ग्रामीणों के स्वस्थ्य ठीक नहीं होने तथा डायरिया की सूचना मिलने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उनके स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए। एसडीएम श्री अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि ग्रामीणों के इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्राम पहुंच गई है और उनकी स्वास्थ्य जांच की जा रही है। सभी का स्वास्थ्य अभी अच्छा है। उन्होंने बताया कि पानी के परीक्षण के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम भी वहाँ पहुँच गई है।

नेहा अवस्थी ने चिवनिंग स्कॉलरशिप पाकर शहर का नाम किया रौशन

राजनांदगांव , 4 अगस्त । राजनांदगांव , संस्कारधानी नगरी के नाम को दिल्ली से लेकर नेपाल और इंग्लैंड तक में पहुंचाने वाली शहर की बेटी नेहा अवस्थी ने उपलब्धियों की लंबी सूची तैयार कर दिखाई है । अपनी बोर्ड परीक्षा सफलता के बाद आर्किटेक्ट में इंजीनियरिंग कर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा । रामगढ़ के खंडहरों पर शोध कार्य कर उन्होंने अपने अध्ययन को सार्थक कर दिखाया । नीति आयोग में सेवाएं देते हुए उन्होंने अनेक प्रोजेक्ट में सकारात्मक भूमिका निभाई । चिवनिग स्कॉलरशिप प्राप्त कर उन्होंने देश में राजनांदगांव का परचम लहराया । नगर के प्रतिष्ठित अवस्थी परिवार की बेटी नेहा अवस्थी स्व.सुरेंद्रनाथ - शोभा अवस्थी की सुपौत्री एवं संजीव -ममता अवस्थी की पुत्री हैं । नेहा अवस्थी ने अपना अध्ययन पूरा करने के बाद सन 2021 में नीति आयोग में सेवाएं देना शुरू किया । हमसे चर्चा के दौरान नेहा ने बताया कि नीति आयोग में रहते हुए नेपाल में हिमालय की तबाही को बचाने के लिए 8 देशों के प्रतिनिधियों के साथ काम किया ।.यह अत्यंत गौरव का विषय है कि उस दल में नेहा भी थी , जिसने भारतवर्ष का प्रतिनिधित्व किया । नीति आयोग में रहते हुए ही नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स में मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग अर्बन अफेयर्स के अंतर्गत दिल्ली के मास्टर प्लान के लिए पांच वर्षों तक काम किया । मास्टर प्लान का उक्त कार्य अभी प्रगति पर है जो 2041 तक चलेगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश के 100 पिछड़े शहरों की नई बसाहट एवं साज - सज्जा के लिए एक्सपेरिमेंटल सिटीज प्रोग्राम ÷ की 100 करोड़ के बजट वाली स्कीम में भी भूमिका निभाई । अभी जुलाई के अंतिम सप्ताह में उन्होंने अपने एक बड़े लक्ष्य को साधने के बाद घर लौटने पर हमसे मुलाकात की । उन्होंने यू के सरकार की चिवनीग स्कॉलरशिप को हासिल कर इंग्लैंड में एक वर्ष तक ÷ पब्लिक पॉलिसी ÷ में मास्टर डिग्री प्राप्त की । सभी विषयों में एक्सीलेंट प्रदर्शन के साथ नेहा ने अपनी स्कूल की पढ़ाई को सार्थक कर दिखाया । नेहा ने चर्चा के दौरान बताया कि यू के सरकार की इस स्कॉलरशिप को पाने के लिए 192 देश के लोग आवेदन करते आ रहे हैं । भारतवर्ष से 44 लोग इंग्लैंड गए थे , जिसमें अर्बन प्लानिंग क्षेत्र से नेहा अकेली थी । यू के सरकार पिछले 40 वर्षों से स्कॉलरशिप देती आ रही है । इसमें पढ़ाई से लेकर खाने - पीने , रहने के साथ आने - जाने का मिलाकर 90 लाख से 1 करोड़ तक की स्कॉलरशिप दी जाती है । इंग्लैंड में अध्ययन पूरा करने के उपरांत डिग्री सेरेमनी में वोट ऑफ थैंक्स के लिए उन्हें मिले अवसर को वे अपने जीवन का स्वर्णिम पल मानती हैं । पूरे विश्व से चुने हुए लोग ही इसके पात्र हो पाते हैं । नेहा का कहना है कि उनकी उपलब्धि में माता - पिता का विशेष योगदान रहा है । उन्हें हमेशा परिजनों से मोटिवेशन मिलता रहा है । विवाह के बाद उनके पति एवं ससुराल पक्ष का योगदान भी सराहनीय रहा है ।

भगवान शिव ने सामाजिक परिवर्तन के लिये आध्यात्मिक आधार दिया था:आचार्य वंदनानंद

रायपुर 4 अगस्त। आज एक निजी चिकित्सालय में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता आचार्य वंदनानंद अवधुत ने कहा कि मानव मानव एक है , मानव का धर्म एक है . जहां जहां मानवों को बाँटने की कोशिश हुई है वहाँ अशांति और असंतोष हुआ है. वर्तमान वैश्विक समस्या , भविष्य के लिये आध्यात्मिक आधार पर सामाजिक परिवर्तन के लिये भूमिका बना रही है . प्रेम सेवा आंतरिकआध्यात्मिक साधना त्याग को लेकर सामाजिक न्याय, समरसता , जागरूकता का आंदोलन बनाया जाना अपेक्षित है. अतिथि वक्ता श्री प्रदीप शर्मा ने कहा कि धार्मिकता अपने जैसा बनाने का और अध्यात्मिकता अपना बनाने का काम करती है. छत्तीसगढ़ की संस्कृति में संतो के स्वीकार की परंपरा के संदर्भ में उन्होंने गुरू घासीदास जी के बारे में बताया. कार्यक्रम के संयोजक डॉ सत्यजीत साहू ने वैदिक ऋषियों , शिव , कृष्ण गौतम बुद्ध, आदि शंकराचार्य , भक्तिकाल के संत, स्वामी दयानंद और विवेकानंद के उदाहरण से सामाजिक परिवर्तनों में अध्यात्म की भूमिका को चिन्हित किया . कार्यक्रम के अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ निर्माता डॉ उदयभान सिंह चौहान, प्रयोग आश्रम तिल्दा के अध्यक्ष सीताराम सोनवानी, छत्तीसगढ़ी महिला समाज के अध्यक्ष मालती परगनिहा उपस्थित रही. 'सामाजिक आंदोलन और अध्यात्म' विषय पर इस व्याख्यान का आयोजन डांक्टरस आन स्ट्रीट (दोस्त) और प्रोग्रेसिव युटिलाईजेशन आफ रिसर्च एंड इकानामिक्स (प्योर) संस्था ने किया था. सुनील शर्मा ने आयोजक संस्था दोस्त और प्योर के सेवा कार्यों की जानकारी दी . आभार प्रदर्शन सुरज दुबे ने किया . व्याख्यान के उपरांत श्रेताओं ने विमर्श में भाग लिया. आयोजन में अनुराग शर्मा, एडवोकेट संतोष ठाकुर, स्वाति देवांगन, पूजा सोनी, लक्ष्मी सोनी ,साक्षी सिंह , विनय सिंह ने सक्रिय सहयोग दिया।

यात्री ट्रेनों का रद्द किया जाना रेल यात्रियों पर अत्याचार है:भागवत

■ मेंटेनेस के नाम पिछले चार सालों से यात्री ट्रेनों को कर रहे रद्दः महापौर

■ यात्री ट्रेनों को रद्द कर 50 गुना अधिक क्षमता की मालवाहक ट्रेनों का परिचालन लगातार जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 अगस्त। रेलवे मेंटेनेस के नाम पर छत्तीसगढ़ प्रदेश से गुजरने वाली 72 से अधिक यात्री ट्रेन को रद्द करने से यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है वहीं इन्हीं रेलवे ट्रेकों पर 50 गुना से अधिक क्षमता की मालवाहक ट्रेनों को चलाया जा रहा है। जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में 03 अगस्त को रेल मंत्री के नाम स्थानीय स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द यात्री ट्रेने चलाने की मांग की।

शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा पिछले चार सालों से यात्री ट्रेनों का परिचालन अचानक रद्द करने का सिलसिला चला रहा है। वर्तमान में भी 72 से अधिक ट्रेनों को राजनांदगांव से कलमना रेलखंड के बीच तीसरी लाईन जोड़ने के नाम पर रद्द कर दिया गया है। 4 से 19 अगस्त 2024 के बीच 72 टेञनें प्रभावित रहेगी फरमान जारी किया। रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के निर्देशन पर शनिवार 03 अगस्त को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के नाम स्थानीय स्टेशन मास्टर श्री बर्मन को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द 72 ट्रेनों का परिचालन सुचारू रूप से चलाने की मांग की है। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों को पिछले चार सालों से अचानक रद्द करने का सिलसिला रहा है। ऐसे समय में जब देश का प्रमुख त्यौहार रक्षाबंधन, छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्यौहार हरेली है। इस समय इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों का रद्द किया जाना रेल यात्रियों के उपर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था तो इसके लिये काम की समय सारिणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिये जिससे यात्री सुविधायें बाधित न हो। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि केन्द्र सरकार यात्री ट्रेनों को नियमित चालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही यात्री सुविधाओं विकलांग, बुजुर्ग, रिटायर्ड सैनिकों, छात्रों, बच्चों को पूर्व में मिलने वाली रियायते बहाल की जाए तथा रेलवे के निजीकरण के षड़यंत्र पर तत्काल विराम लगे।

महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि पिछले चार वर्षों से देश की रेल सुविधाएं पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। यात्री ट्रेनों की बिना कारण बतायें रद्द कर दिए जाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली सैकड़ों यात्री ट्रेनों को अनेकों बार महीनों तक के लिए रद्द किया गया है। महीनों पहले यात्रा की योजना बना कर रिजर्वेशन करवाने वाले यात्री रेलवे की मनमानी से परेशान होते है। त्यौहारों, छुट्टियों, शादी ब्याह के लिए सीजनों में रेलवे बिना बताए, बिना कारण के यात्री ट्रेनों को रद्द कर देती है। रेलवे द्वारा ट्रेनों को रद्द किये जाने का कारण मेंटेनेंस बताया जाता है। जबकि उन्हीं ट्रेकों पर यात्री ट्रेनों से 50 गुना अधिक क्षमता की मालवाहक ट्रेनों को चलाया जाता है। छत्तीसगढ़ से निकलने वाले कोयले का परिवहन कर दूसरे प्रदेश को भेजने के लिए भी छत्तीसगढ़ की यात्री सुविधाओं को बाधित किया गया।श्रीकिशन खंडेलवाल ने कहा कि रेलवे द्वारा जिस प्रकार से यात्री ट्रेनों के संचालन में लगातार कोताही बरती जा रही है उससे स्पष्ट हो रहा है कि रेलवे यात्री सुविधाओं की अपेक्षा मालवाहक गाड़ियों को ज्यादा प्राथमिकता दे रही है। यह जानबूझकर किया जाने वाला षड़यंत्र है ताकि जनमानस में रेल अलोकप्रिय हो और मोदी सरकार रेलवे को निजी हाथों विशेषकर अडानी समूह को सौंप सके। रेल देश के नागरिकों की सबसे सुलभ और लोकप्रिय सुविधा है। आजादी के पहले और बाद में भी सभी सरकारों ने घाटा उठाकर भी जनहित में रेलवे का संचालन अनवरत जारी रखा। रेलवे को बेचने का कोई भी प्रयास देश की जनता के साथ धोखा है, कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। इस दौरान प्रमुख रूप से रमेश डाकलिया, मेहुल मारू, पदम सिंह कोठारी, रमेश खंडेलवाल, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा तिवारी, विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, मोती साहू, झम्मन देवांगन, नरेश शर्मा, नासिर जिंदरान, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, सिद्धार्थ डोंगरे, अजय मारकंडे, युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज माखिजा, मनीष गौतम, बबलू कसार, प्रतिमा बंजारे, विशु अजमानी, सुरेन्द्र देवांगन, जितेन्द्र शर्मा, नारायण सोनी, मामराज अग्रवाल, गिरीश साहू, बंटी यादव, रमाकांत साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

ड्रामा और एंटरटेनमेन्ट पाएं सिर्फ एण्ड टीवी पर

इस हफ्ते एण्डटीवी के शोज 'अटल', 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाभी जी घर पर हैं' में दर्शकों को ड्रामा और हंसी-मजाक से भरपूर मनोरंजन मिलेगा। एण्डटीवी के शो 'अटल' के बारे में बताते हुए, कृष्णा देवी की भूमिका निभा रहीं नेहा जोशी ने कहा, ''अटल को होश आने के बाद वह अपनी माँ कृष्णा देवी के सामने भिक्षा नहीं मिलने पर निराशा व्यक्त करता है। वह बताता है कि भिक्षा दे रहे लोगों को सरपंच और उसके आदमियों ने रोका है। सरपंच और उसके आदमी पूरी ताकत से लोगों को रोकते हैं कि वे अटल को भिक्षा न दें। वह देखते हैं कि कृष्णा देवी एक ठेला खींच रही हैं, जिस पर अटल बैठा है। सरपंच की दखलअंदाजी के बावजूद एक चायवाला अटल को भिक्षा देता है। जब अटल और कृष्णा देवी स्कूल पहुँचते हैं, तब प्रिंसिपल कृष्ण बिहारी से कहते हैं कि उन्हें दूर भेज दिया जाए। हालांकि, कृष्ण बिहारी अटल के शिक्षा के अधिकार का समर्थन करते हैं। गुस्से में आकर प्रिंसिपल अटल और कृष्णा देवी पर झूठा आरोप मढ़ता है कि वे स्कूल में परेशानी पैदा कर रहे हैं। वह टीचर से पुलिस को बुलाने और उन्हें गिरफ्तार करवाने के लिये कहता है। इसके जवाब में अटल दूसरे विद्यार्थियों के माता-पिता को एक पत्र लिखता है और उनका समर्थन मांगता है। इस प्रकार वे उसका साथ देने के लिये तैयार हो जाते हैं।'' एण्डटीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' की कहानी के बारे में गीतांजलि मिश्रा, ऊर्फ राजेश ने बताया, ''समाचार में यह दिखाया जाता है कि कानपुर शहर में एक चोर का आंतक है। यह चोर महिलाओं के पेटीकोट चुरा लेता है। अगले दिन, हप्पू (योगेश त्रिपाठी) इसकी चर्चा मनोहर (नितिन जाधव) से करता है। मनोहर बताता है कि पेटीकोट वही चुराता है और इसका कारण बचपन में उसे लगा एक सदमा है। वह वादा करता है कि दोबारा ऐसा नहीं करेगा। हप्पू इस बात को राज़

ही रखता है। अगली सुबह, जब हप्पू दरवाजे पर अखबार लेने जाता है, तब कोई उस पर एक पेटीकोट फेंककर भाग जाता है। जिसका पेटीकोट है, वह हप्पू को पकड़ लेता है और उस पर चोरी का आरोप लगाता है। वह व्यक्ति पुलिस स्टेशन जाता है और हप्पू के खिलाफ शिकायत करता है। मलाइका (सोनल पंवार) और कमिश्नर (किशोर भानुशाली) हप्पू के घर की तलाशी लेते हैं। तलाशी के दौरान उन्हें बिस्तर के नीचे पेटीकोट का ढेर मिलता है। हप्पू बताता है कि वह पेटीकोट इसलिये लाया, ताकि मनोहर के खिलाफ सबूत मिटा सके। हप्पू समझाता है कि यह पेटीकोट मनोहर के हैं, लेकिन कोई उसकी बात नहीं मानता है। और फिर हप्पू को गिरफ्तार कर लिया जाता है।'' एण्डटीवी के 'भाभीजी घर पर हैं' की कहानी के बारे में शुभांगी अत्रे, ऊर्फ अंगूरी ने बताया, ''तिवारी (रोहिताश्व गौड़) और विभूति (आसिफ शेख) देखते हैं कि सक्सेना (सानंद वर्मा) कुछ खोया-खोया सा है। वे उससे इसका कारण पूछते हैं। सक्सेना बताता है कि उसके अंकल एक जाने-माने वैज्ञानिक हैं। वह उसके घर आये हैं और चीन के कुछ लोग उनके एक आविष्कार के लिये उनके पीछे पड़े हैं। तिवारी और विभूति को सक्सेना की बात पर यकीन नहीं होता है और वह उसका मजाक उड़ाते हैं। फिर सक्सेना उन्हें अपने अंकल के घर ले जाता है और उनका आविष्कार दिखाता है। सक्सेना के अंकल उन्हें अपना आविष्कार, यानि एक टेलीस्कोप दिखाते हैं, जिसके द्वारा कोई भी व्यक्ति एक दूसरी दुनिया देख सकता है। जब वे टेलीस्कोप से देखते हैं, तब उन्हें एक अलग दुनिया दिखती है। उस दुनिया में तिवारी एक नवाब है, जिसका नाम बैलुद्दीन कबाड़ी है, जबकि विभूति ककड़ी बेचने वाला है, जिसका नाम खाचेदुद्दीन है। अंगूरी नवाब बैलुद्दीन की बीवी है, जिसका नाम बेगम अनारा है और अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) एक डांसर है, जिसका नाम अंजुमन है। विभूति और तिवारी घर जाकर अनीता और अंगूरी को सब-कुछ बता देते हैं। अनीता और अंगूरी भी उस टेलीस्कोप से दूसरी दुनिया देखने जाती हैं।

वह देखती हैं कि बेगम अनारा (अंगूरी) और नवाब बैलुद्दीन (तिवारी) के बीच रिश्ते में तनाव है। बेगम अनारा अवसाद में है और शराब पीती है। इसी तरह, अंजुमन बाई (अनीता) और खाचेदुद्दीन (विभूति) शादीशुदा हैं, लेकिन

कलाकारों ने नेशनल पैरेंट्स डे पर दिए पैरेंटिंग के टिप्स

नेशनल पैरेंट्स डे हर साल जुलाई के चौथे रविवार को मनाया जाता है। इस दिन पैरेंट्स की उस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए आभार और प्रशंसा जताई जाती है, जो वे अपने बच्चों के जीवन को आकार देने में निभाते हैं। एण्डटीवी के कलाकार स्मिता साबले (धनिया, 'भीमा'), दीपा सावरगांवकर (सुशीला बुआ, 'अटल'), योगेश त्रिपाठी (दरोगा हप्पू सिंह, 'हप्पू की उलटन पलटन') और शुभांगी अत्रे (अंगूरी भाबी, 'भाबीजी घर पर हैं') एक्टिंग में करियर बनाने के साथ-साथ अपने बच्चों की देखभाल करने का अनुभव बता रहे हैं। एण्डटीवी के आगामी शो 'भीमा' में धनिया की भूमिका निभा रहीं स्मिता साबले ने कहा, ''मेरा मानना है कि अपने बच्चों या अपनी पैरेंटिंग के प्रति कर्तव्यों की उपेक्षा कभी नहीं करना चाहिए, चाहे अपने करियर में आपको सेट पर कई घंटे बिताने पड़ते हों। यह सुनिश्चित करने के लिए मैं अपनी निजी और पेशेवर जिन्दगी के बीच संतुलन रखती हूँ, ताकि मेरे बच्चे को कभी ऐसा न लगे कि मैं उसके लिए मौजूद नहीं हूँ। काम पर जाने से पहले, मैं उसके लिए बनाया एक शेड्यूल फॉलो करती हूँ। मैं नाश्ता बनाकर उसका लंचबॉक्स तैयार करती हूँ और देखती हूँ कि वह सुरक्षित तरीके से और सही समय पर पढ़ाई के लिए स्कूल पहुँचा या नहीं। घर आने तक मैं चाहे कितनी भी थकी हुई रहूँ, मैं उसे अच्छा वक्त देती हूँ। मैं उसके पूरे दिन के बारे में पूछती हूँ, हम साथ बैठकर टीवी देखते हैं, डिनर करते हैं, गेम खेलते हैं

और रील्स बनाते हैं। और इसमें हम दोनों का बहुत मजा आता है (हँसते हुए)। इस तरह उसे हमेशा मेरे पास रहने का एहसास होता है। छुट्टी वाले दिन मैं हमेशा उसके साथ बाहर जाने और उसकी मनपसंद गतिविधियों के लिये समय निकालती हूँ।'' 'अटल' में सुशीला बुआ का किरदार निभा रहीं दीपा सावरगांवकर ने बताया, ''पैरेंटिंग अपनेआप में एक फुल-टाइम जॉब की तरह है और एक्टिंग के साथ उसे मैनेज करना एक बड़ा काम है। लेकिन, एक माँ के तौर पर आप अपने बच्चे से जितना प्यार करती हैं, उससे उन दोनों को ही बहुत ताकत मिलती है और सारे काम बन जाते हैं। एक कामकाजी पैरेंट के रूप में मेरी नजर हमेशा अपनी बेटी पर रहती है.

और जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसके साथ होती हूँ। और केवल मैं ही यह कोशिश नहीं करती हूँ,

क्या आप जानते हैं कि राधिका मदान को अंग्रेजी मीडियम में उनके प्रदर्शन के लिए अमिताभ बच्चन से एक पत्र मिला था

राधिका मदान भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्तमान में, वह सरफिरा में रानी के रूप में अपनी भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा प्राप्त कर रही हैं, जिसमें वह अक्षय कुमार के

साथ अभिनय कर रही हैं। सुधा कोंगरा द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में राधिका एक महाराष्ट्रीयन लड़की की भूमिका में हैं, और उनके आकर्षक अभिनय ने प्रशंसकों और दर्शकों दोनों पर एक मजबूत छाप छोड़ी है। जैसा कि वह अपने प्रत्येक प्रदर्शन के साथ सुर्खियों में बनी रहती हैं, यह ध्यान देने योग्य है कि अभिनेत्री को अंग्रेजी मीडियम में उनकी भूमिका के लिए महान अमिताभ बच्चन से भी बहुत प्रशंसा मिली। प्रतिष्ठित अभिनेता ने उनके काम की सराहना करते हुए एक हार्दिक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया: ₹मैं 'अंग्रेजी मीडियम' में आपके काम के लिए आपको बहुत प्रशंसा के साथ लिख रहा हूँ। मैंने कल फिल्म देखी और बस आपको लिखने से खुद को रोक नहीं सका। आपने कितना परिपक्व और संतुलित अभिनय किया है। आपको समृद्धि और सफलता मिले।

मनीष पॉल आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं

मनीष पॉल भारतीय मनोरंजन उद्योग के सबसे पसंदीदा नामों में से एक हैं। टेलीविज़न से लेकर थिएटर तक, बहुमुखी प्रतिभा के धनी मनीष ने एक लंबा सफ़र तय किया है और पूरे देश में अपना एक दर्शक वर्ग बनाया है। आज जब वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं, तो आइए उनके शानदार सफ़र पर एक नज़र डालते हैं मनीष ने रेडियो सिटी में रेडियो जॉकी उर्फ RJ के रूप में अपना सफ़र शुरू किया। अपने करियर के शुरुआती दिनों में उन्होंने एक उल्लेखनीय रेडियो चैनल के लिए RJ के रूप में काम किया और बार-बार उन्होंने RJ के सफ़र को श्रेय देते हुए कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं, उसका श्रेय उन्हें मिलता है। रेडियो जॉकी के रूप में सफल करियर के बाद, मनीष पॉल टेलीविज़न मनोरंजन उद्योग में

चले गए जहाँ उन्हें होस्ट और अभिनेता के रूप में देखा गया। उन्होंने स्टार प्लस के शो 'घोस्ट बना दोस्त' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। स्टार प्लस से लेकर ज़ी टीवी तक, मनीष ने सभी प्रमुख टेलीविज़न चैनलों के साथ काम किया और खुद को घर-घर में मशहूर कर लिया। 2011 में, मनीष को एक डांस रियलिटी शो में होस्टिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ एंकर का पुरस्कार दिया गया.

संदीपा धर तुर्की में हॉट एयर बैलून एडवेंचर करते हुये छुट्टियों का आनंद ले रही हैं

अभिनेत्री संदीपा धर इस समय तुर्की की मनमोहक भूमि में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रही हैं। अपनी जीवंत शख्सियत और यात्रा के प्रति प्रेम के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री, सोशल मीडिया पर अपने रोमांच की झलकियाँ साझा करती रही हैं, जिससे उनके प्रशंसक आश्चर्यचकित हैं। हाल ही में, संदीपा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने करीबी दोस्तों के साथ हॉट एयर बैलून में सवारी करने के अपने रोमांचक अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने अपनी बकेट लिस्ट से इसे पूरा करने के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त की और

अविस्मरणीय रोमांच की कई शानदार तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, संदीपा ने इस अनुभव को ₹मेरे द्वारा अब तक की गई सबसे शानदार चीजों में से एक₹ बताया और इस जादुई पल को अपने पसंदीदा लोगों के साथ साझा करने की खुशी पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, ₹ऊपर, ऊपर और दूर! इस दिन के बारे में सोचना बंद नहीं कर सकती। निस्संदेह, हॉट एयर बैलून में सवारी करना मेरे द्वारा अब तक की गई सबसे शानदार चीजों में से एक है।

एन माही प्रोडक्शन के बैनर तले सस्पेंस थ्रीलर छत्तीसगढ़ी फिल्म 2025 को होगी रिलीज़

एन. माही फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माता मोहित साहू की छत्तीसगढ़ी फिल्म साइको नये शाहकार के रूप शीघ्र ही नया प्रोजेक्ट शुरू होने वाला है। यह फिल्म नाम अनुरूप संस्पेंस और थ्रिलर होने के साथ मनोरंजन से भरपूर होने वाला है। शायद इसीलिए निर्माण से पूर्व ही यह फिल्म चर्चा में आ गया है। इस फिल्म की कहानी, एक्शन डिजाइन व निर्माण मोहित साहू ने किया है ।

निर्माता मोहित साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ी फिल्म साइको एक सच्ची घटना पर आधारित है। अब तक महिला और लड़कियों के प्रताड़ना और शोषण पर फिल्म बनी है लेकिन पुरुष प्रताड़ना और शिकार के खिलाफ फिल्म नहीं बनीं है। छत्तीसगढ़ी फिल्म साइको में पुरुषों को कैसे अपना शिकार बनाकर उसे मिसयूज करते हैं इस फिल्म के माध्यम से देखाने का प्रयास किया गया है। यह छत्तीसगढ़ी फिल्म साइको एक सच्ची घटना पर आधारित है। जिसे एन माही प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली 2025 को रिलीज़ होगी। छत्तीसगढ़ी फिल्म साइको में लोकल कलाकार है जिन्होंने एल्बम और यूट्यूब में छत्तीसगढ़ी गानों से लोगों को दिवाना बनाया है। सोशल मीडिया के महारथियों में करोड़ों फैन फॉलोवर और सब्सक्राईबर हैं।

सखी के माध्यम से पत्रकार बनने का मेरा सपना पूरा हो रहा है: चिन्मयी साल्वी

सोनी सब के धारावाहिक 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' को मध्यमवर्गीय परिवार के रोजमर्रा के जीवन के यथार्थवादी चित्रण के लिए पसंद किया जा रहा है। यह भावनात्मक कहानियों के

साथ हमारे जीवन के दिल छू लेने वाले सबक का अनूठा मिश्रण पेश करता है। यह शो वागले परिवार के रोमांच और चुनौतियों के प्रामाणिक चित्रण से दर्शकों को बांधे रखता है। चिन्मयी साल्वी, जो सखी वागले का किरदार निभा रही हैं, खुद के एक ऐसे सपने को जी रही हैं, जिसकी वह कभी ख्वाहिश रखती थीं, लेकिन पूरा नहीं कर पाईं। मास मीडिया की पढ़ाई करने के बाद चिन्मयी ने हमेशा पत्रकारिता में करियर बनाने की कल्पना की थी। मौजूदा ट्रैक में सखी वागले ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक पत्रकारिता कॉलेज में दाखिला लिया है। स्थानीय समाचार चैनल में इंटर्नशिप करने से लेकर स्टिंग ऑपरेशन और शेयर बाजार घोटाले जैसी महत्वपूर्ण कहानियों की रिपोर्टिंग करने तक, एक रिपोर्टर के रूप में सखी की भूमिका चिन्मयी की वास्तविक जीवन की महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर रही हैं।

एण्ड टीवी पर होगा एंटरटेनमेंट का बड़ा धमाका

एण्डटीवी के लोकप्रिय शोज 'अटल', 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' में यह सप्ताह ड्रामा और मनोरंजन से भरपूर रहेगा। इन शोज की आगामी कहानियों के बारे में उनके मुख्य कलाकारों ने विस्तार से बताया है। इनमें शामिल हैं 'अटल' की कृष्णा देवी ऊर्फ नेहा जोशी, 'हप्पू की उलटन पलटन' के दरोगा हप्पू सिंह ऊर्फ योगेश त्रिपाठी और 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी की भूमिका निभा रहीं शुभांगी अत्रे। एण्डटीवी के 'अटल' की कहानी के बारे में, कृष्णा देवी की भूमिका निभा रहीं

नेहा जोशी ने कहा, ''अटल का प्रायश्चित जारी है, लेकिन सरपंच और उसके आदमी सभी लोगों को उसे भिक्षा देने से मना करते हैं। दो लड़कियाँ अपने घर में किसी को बताए बिना अटल के लिए भिक्षा ले आती हैं। स्टीफन और पंचायत के लोग चर्चा करके कहते हैं कि उन लड़कियों द्वारा दिया गया खाना भिक्षा नहीं माना जाएगा और यदि अटल वह खाना लेगा, तो उसका प्रायश्चित विफल हो जाएगा। अटल अपने सिद्धांतों और आदर्शों को लेकर अडिग है।

अंगूरी और अनीता की जिन्दगी में हुई किसकी नई एंट्री?

एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी (शुभांगी अत्रे) और अनीता भाबी (विदिशा श्रीवास्तव) की जिन्दगी में एक डांस टीचर और एक सिंगिंग टीचर के आने से बड़ी ही भ्रामक और हंसी-मजाक वाली स्थिति देखने को मिलेगी। कहानी के आगामी हिस्से के बारे में बात करते हुए, अंगूरी की भूमिका निभा रहीं शुभांगी अत्रे ने कहा, ''विभूति (आसिफ शेख) अंगूरी से कहता है कि उसे वेस्टर्न डांस सीखना चाहिए, जबकि तिवारी (रोहिताश्व

गौड़) उसका मनोबल तोड़ने की कोशिश करता है। इसी तरह, तिवारी, अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) से गाना सीखने के लिए कहता है, लेकिन उधर विभूति उसका मनोबल तोड़ता है। ऐसे में अंगूरी नाराज होकर विभूति पर भरोसा बढ़ाने लगती है। इधर अनीता का मनोबल तोड़ने के लिए तिवारी को विभूति से चिढ़ है। इस असहमति के कारण दोनों में तीखी बहस होती है, लेकिन आखिरकार वे अपनी-अपनी पत्नियों को उनके शौक पूरे करने में सहयोग देने का फैसला करते हैं।

अंगूरी भाबी का मानसून फोटोशूट हुआ वायरल

मुंबई में मानसून सिर्फ एक मौसम ही नहीं है, बल्कि सुखद अनुभव भी है, जो मूड को अच्छा कर देता है और रूह को सुकून पहुँचाता है। इस जादुई मौसम में एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी के रूप में मशहूर शुभांगी अत्रे ने एक खूबसूरत फोटोशूट करवाया। शुभांगी की खूबसूरत तस्वीरें अब ऑनलाइन धूम मचा रही हैं। शुभांगी को एक चमकीली लाल और सफेद साड़ी में देखा गया और उनके बाल खुलकर लहरा रहे हैं, जो मुंबई की मशहूर काली-

पीली टैक्सी और भव्य गेटवे ऑफ इंडिया के पीछे पारंपरिक खूबसूरती का एहसास दिला रही है। अन्य तस्वीरों में, उन्होंने एक लाइट व्हाइट कलर का कपड़ा पहना है, जो समुद्र की शांत सुंदरता को दर्शा रहा है। अपने मानसून रोमांच के बारे में बताते हुए शुभांगी उर्फ अंगूरी भाबी ने कहा, ''मानसून मेरा पसंदीदा मौसम है। बारिश में बाहर निकलना बेमिसाल आनंद और सुकून देता है। मेरी जिन तस्वीरों को इतनी ज्यादा तारीफ मिल रही है, वह मेरे एक दोस्त ने ली थी, न कि किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर ने। मैं हमेशा से ही मुंबई की इन बेमिसाल चीजों के साथ तस्वीरें खिंचवाना चाहती थी और इस सीजन में मुझे यह परफेक्ट मौका मिल भी गया।''

समानता के अधिकारों पर केंद्रित एक दमदार सोशल ड्रामा 'भीमा'

एण्डटीवी पर प्रसारित होने वाले 'भीमा' में बेहद प्रतिभाशाली कलाकार नजर आएँगे, जिनमें तेजस्विनी भीमा, स्मिता साबले भीमा की माँ धनिया, अमित भारद्वाज भीमा के पिता मेवा, नीता मोहिन्द्रा कैलाशा बुआ और मयंक मिश्रा और विक्रम द्विवेदी उसके दो बेटों कलिका सिंह एवं विशम्भर सिंह की भूमिका निभाएँगे। वहीं, त्रिपुरारी यादव भीमा के मामा गया और नेहा शर्मा उनकी पत्नी फुलमतिया की भूमिका में होंगी। इस शो को

राज खत्री प्रोडक्शंस ने बनाया है और इसका प्रीमियर 06 अगस्त, 2024 को रात 8:30 बजे होगा और हर सोमवार से शुक्रवार एण्डटीवी पर शो का प्रसारण होगा। राष्ट्रीय, 01 अगस्त, 2024: एण्डटीवी का नया शो 'भीमा' 80 के दशक की पृष्ठभूमि पर बना है। राज खत्री प्रोडक्शंस ने इसे र्निमत किया है। इसमें भीमा नाम की एक लड़की की कहानी दिखाई गई है, जो किसी दूसरी जाति से ताल्लुक रखती है। यह एक लड़की की दुविधा और समान अधिकारों को लेकर उसके सफर को दिखाता एक सोशल ड्रामा है।

कलाकारों ने फ्रेंडशिप डे पर अपनी स्कूल की यादों को ताजा किया

फ्रेंडशिप डे यानी दोस्ती के बंधन और अनमोल रिश्तों की खुशी का जश्न। इस साल सोनी सब के सितारे अपने स्कूल के दिनों की दिल को छू लेने वाली यादें और प्यार भरी दोस्ती के किस्से साझा कर रहे हैं, जिसने उनके जीवन को आकार दिया है। शरारती कारनामों और जीवनभर बंधनों से लेकर शिक्षकों के अनमोल समर्थन तक, ये कहानियाँ उनके शुरुआती जीवन के वर्षों में बनी दोस्ती के स्थायी महत्व को सामने लाती हैं। 'बादलों पे पांव हैं' में बानी का मुख्य किरदार निभाने वालीं अमनदीप सिद्धू ने कहा, ₹फ्रेंडशिप डे मेरे लिए बहुत खुशी का दिन है। जब मैं अपने बचपन के शुरुआती दिनों को याद करती हूँ, तो मेरी सबसे प्यारी यादें तब की हैं, जब हम दिल्ली में रहते थे। मेरी माँ मुझे दोपहर के खाने में पराठे देती थीं, जबकि मेरे स्कूल के दोस्त हमेशा सैंडविच और मैगी जैसे लजीज व्यंजन लाते थे। हम एक-दूसरे के साथ टिफिन शेयर करते थे, क्योंकि उन्हें मेरी माँ के

हाथ के बने पराठे बहुत पसंद थे। ठीक वैसे ही मुझे भी उनका खाना बहुत पसंद था। मैं और मेरे दोस्त तनाव-मुक्त होकर गलियों में घूमते थे। अब हम सभी साल भर काम करते हैं और अब इतनी मुलाकातें नहीं हो पाती हैं, इसलिए बड़े होने पर बचपन में बिताए छोटे-छोटे पल मेरे लिए वाकई मायने रखते हैं।

वंशज में यश तलवार की भूमिका निभा रहे शालीन मल्होत्रा ने कहा, ₹मेरा मानना है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए दोस्ती बहुत ज़रूरी है। फ्रेंडशिप डे पर मैं अपने लड़कों के कॉन्वेंट स्कूल के दिनों के यादगार पलों को याद करता हूँ। लड़कों के स्कूल में होने के कारण हम लड़कियों के स्कूल के साथ शायद ही कभी मिलते-जुलते थे। सबसे अच्छा समय तैयार होना, सबसे अच्छा दिखने की कोशिश करना और यह देखना था कि कौन सबसे अधिक प्रभाव डाल सकता है।

मैं अपने शिक्षकों को भी दोस्त मानता हूँ। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम रनर-अप जीतना मेरे जीवन के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान मेरे एक शिक्षक के समर्थन से संभव हुआ। यह इस बात की याद दिलाता है कि कैसे सार्थक दोस्ती और समर्थन हमारे रास्ते को आकार दे सकते हैं और हमें अपनी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभाने वाले नवीन पंडिता ने कहा, ₹फ्रेंडशिप डे पर पीछे मुड़कर देखने पर मुझे स्कूल कैंटीन की याद आती है। जब फ्रेंडशिप डे पर दाल वड़ा और हॉट डॉग हम सभी के लिए बहुत अहमियत रखा करते थे।

श्रीमद् रामायण अब 12 अगस्त से सोनी सब पर प्रसारित होगा

श्रीमद् रामायण 12 अगस्त से भारत के प्रमुख पारिवारिक मनोरंजन चैनल सोनी सब पर प्रसारित होगा। कहानी अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है। भगवान राम का रावण के साथ पौराणिक युद्ध का समापन 12 अगस्त को शाम 7:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होने वाला है। इसमें भरपूर एक्शन होने वाला है। इस युद्ध के शुरू होने के साथ सोनी सब अब विशेष रूप से उस अपरिचित कहानी को सामने लाएगा, जो इस युद्ध के बाद शुरू होती है। शो में यह दिखाया जाएगा कि भगवान राम और सीता के पुनः एक होने और अयोध्या लौटने के बाद क्या होता है? श्रीमद् रामायण की दिव्य कथा का नया अध्याय- अयोध्या वापसी और उनके जुड़वाँ बच्चों लव और कुश के जन्म के बाद भगवान राम और सीता के जीवन की खुशियों और चुनौतियों की खोज पर आधारित है। शो का यह नया चरण भगवान राम और सीता के अयोध्या लौटने के बाद उनके जीवन की कई अनकही कहानियों और गहरे अर्थों को खूबसूरती से समेटे हुए प्रस्तुत होगा। हम सोनी सब पर अपने दर्शकों के लिए श्रीमद् रामायण का अगला भाग पेश करते हुए बहुत खुश हैं। शो की प्रभावशाली कहानी और मजबूत पारिवारिक मूल्यों का चित्रण हमारे चैनल के मूल्यों के साथ सामंजस्यपूर्ण रूप से प्रतिध्वनित होता है।

जब फिल्मों की कमाई बेहतर नहीं होती तब दक्षिण के अभिनेता कर देते हैं भारपाई: रोशन मैथ्यू

लिपिका वर्मा,

जान्हवी कपूर की आने वाली शानदार मूवी ₹उलझ₹ की काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म के शानदार कलाकारों में शामिल हैं, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू। इनसे हमने कई मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की और इन्होने भी बहुत ही बेबाकी से हमारे कठिन सवालों के जवाब दिए। मसलन, सिर्फ 3 करोड़ रुपये की शुरुआती कमाई (ओपनिंग) के बाद भी, एक्टर्स भारी पे पैक की मांग क्यों करते हैं, सोशल मीडिया पर फैन्स के झगड़े, कॉर्पोरेट स्ट्रेटजी, एक्टर्स के मैनेजर और पीआर एजेंसियाँ और जब फिल्म बेहतर प्रदर्शन न करे तब साउथ के एक्टर क्या पैसे वापस कर देते हैं इत्यादि।

देशभक्ति

गुलशन देवैया: मुझे लगता है कि अपने देश से प्यार की बात का प्रचार करने की ज़रूरत नहीं है। अपने देश के प्रति आपका प्यार उस माँ के प्रेम जैसा हो सकता है, जो आप अपनी मां से करते हैं। एक मां, बिना किसी को बताए अपने संतान की मदद करती है। वह इस बात का ढोल नहीं पीटती। देशभक्ति और देश के प्रति शुद्ध प्रेम भी माँ के प्रेम जैसा ही होना चाहिए। मसलन, फिल्म "उलझ" में सुहाना का किरदार निभा रही जान्हवी कपूर भी अपने देश से प्यार करती है, लेकिन वह इसका चीख-चीख कर प्रचार नहीं करती।

रोशन मैथ्यू : देशभक्ति एक भावना है। देश के लिए प्यार एक भावना है। यह आपके दिल में समाया होता है। हाँ, यह भी है कि देश के प्रति प्यार के साथ-साथ कुछ ज़िम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं, जिसे लेकर हमें ईमानदार होने की जरूरत है।

क्या फिल्म के खराब परफॉर्मेंस के बाद साउथ के एक्टर पैसे वापस करते हैं?

रोशन मैथ्यू : साउथ के कुछ एक्टर ऐसे हैं, जिन्होंने पैसे लौटाए हैं। लेकिन ऐसा सब करते हैं, यह भी सही नहीं है। ऐसा अपनी संस्कृति के प्रति भरोसा और प्रेम के कारण ही संभव हो पाता है। जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं, तो आपको उस फिल्म से प्यार होना चाहिए। आप इसलिए फिल्म बनाते हैं कि वह बेहतर प्रदर्शन करे, अच्छी कमाई करे। लेकिन अगर कोई फिल्म सफल नहीं होती है, तो आप नहीं चाहते कि उसके पीछे के लोग और इंडस्ट्री को बहुत ज्यादा नुकसान हो। तो यह एक बहुत बड़ा परिप्रेक्ष्य है, उसी को ध्यान में रखते हुए हम इस चीज को समझ सकते हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ़ दक्षिण के अभिनेताओं तक ही सीमित है। सिनेमा में काम करने वाले सभी लोग समझते हैं कि हर प्रोजेक्ट में निवेश की गई राशि रिकवर होनी चाहिए, मुनाफा होना ही चाहिए।

गुलशन देवैया : फिल्म को सफल बनाना, उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूँ कि हिंदी मनोरंजन उद्योग का वर्ष 2000 से कुछ ज्यादा ही कॉर्पोरेटाइजेशन हो गया है। बहुत से लोगों ने निवेश किया है। वे एक फिक्स्ड स्ट्रक्चर लेकर आते हैं। काम करने का तरीका पूरी तरह से पैसा कमाने के मॉडल में बदलाव आ गया है। मुझे लगता है कि दक्षिण में, यह इतना कॉर्पोरेट नहीं है। इसलिए वे फिल्मों को थोड़ा अलग तरीके से देखते हैं। उनके बीच अभी भी फिल्म निर्माण के क्षेत्र में व्यक्तिगत संबंध का महत्व है। चाहे कोई स्टूडियो चला रहा हो या कोई और। इसके फायदे और नुकसान हैं। लेकिन मैं यह नहीं मानना चाहता कि कुछ लोगों ने ऐसा किया होगा। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में खुलकर बात करना ज़रूरी है।

फ्रेंडशिप डे पर कलाकारों के साथ हुई ऐसी घटनाएँ

फ्रेंडशिप डे एक खास मौका होता है, जब हम अपने दोस्तों के साथ अपने अटूट रिश्ते का जश्न मनाते हैं। इस खास दिन लोग अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर अपने करीबी दोस्तों से मिलते हैं और उन्हें शुभकामनाएँ देते हैं और साथ मिलकर अच्छा वक्त बिताते हैं। कुछ लोग तो सरप्राइज़ के तौर पर ऐसी यादें देते हैं, जिन्हें जिंदगी भर भुलाया नहीं जा सकता। अपने बेस्ट फ्रेंड्स से मिले ऐसे ही पलों और सरप्राइज़ेज़ को याद करते हुए, एण्डटीवी के कलाकार अपने दिल में संजोई हुई कहानियाँ साझा कर रहे हैं। इन कलाकारों में शामिल हैं- आशुतोष कुलकर्णी (कृष्ण बिहारी वाजपेयी, 'अटल'), अमित भारद्वाज (मेवा, 'भीमा'), गीतांजलि मिश्रा (राजेश, 'हप्पू की उलटन पलटन') और रोहिताश्व गौड़ (मनमोहन तिवारी, 'भाबीजी घर पर हैं')। ऐसे ही एक यादगार पल के बारे में बात करते हुए, अटल में कृष्ण बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभा रहे आशुतोष कुलकर्णी ने कहा, ''जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब मैं एक दोस्त के साथ किराए के घर में रहा करता था। वह नाइट शिफ्ट में काम करता था और सुबह घर लौट आता था। एक बार फ्रेंडशिप डे जब मेरा दोस्त घर लौटा, तब मैंने मुंबई के बाहरी इलाकों में नाश्ते पर जाने की सलाह दी। वह तुरंत राजी हो गया, लेकिन कार में ही सो गया। मौका देखकर मैंने लोनावला जाने की उसकी लंबे वक्त की इच्छा

पूरी करने का फैसला लिया। वह चार महीने से लोनावला जाना चाहता था, लेकिन काम के व्यस्त शेड्यूल के कारण नहीं जा पा रहा था। जब वह गहरी नींद में था, तब मैंने लोनावला की ओर गाड़ी बढ़ा दी। जब वह उठा और उसे पता चला कि हम कहाँ हैं, तब वह बहुत खुश हुआ और मेरे इस सरप्राइज़ ने उसके दिल को गहराई तक छू लिया था। उसने कसकर मुझे गले से लगा लिया और हमने एक बेहतरीन दिन बिताया। हमने लोनावला की पहाड़ियों पर चाय पी और वहाँ के आनंददायक वातावरण का आनंद लिया।'' 'भीमा' में मेवा की भूमिका निभा रहे अमित भारद्वाज ने बताया, ''मेरे दोस्तों का एक छोटा-सा सर्कल है, जिन्होंने मेरे सफर में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे दोस्त मेरे लिए बेहद खास हैं, लेकिन मेरा छोटा भाई सुमित बचपन से ही मेरा सबसे करीबी दोस्त है। और मेरे दिल में उसकी एक खास जगह है। पिछले साल उसने मेरे दिल को छू लेने वाला एक सरप्राइज़ दिया था। जब मेरा फोन अचानक बंद हो गया और इस बात का पता उसे हमारी माँ से चला, तब उसने तुरंत मेरी पत्नी के नंबर पर कॉल किया और मुझसे पूछा कि मैं कौन-सा फोन खरीदना चाहता हूँ। उनकी योजना से बेखबर, मैंने बाजार के सबसे महँगे फोन का नाम बताया, लेकिन यह भी कहा कि बहुत महँगा होने के कारण मैं उसे खरीद नहीं सकता। इसलिए मुझे कोई और फोन चाहिए। मेरी पत्नी ने मेरे भाई को यह बात बताई और अगले दिन उसने वह फोन मेरे हाथ में रख दिया। मेरे भाई ने मुझे सरप्राइज़ देने के लिए अपना पैसा मेरी पत्नी के खाते में डाल दिया था।

जिले में एफआरए के नए नियम के तहत पहली बार बांटे गए नामांतरण के पट्टे

सेलेगांव में आयोजित शिविर में 8 हितग्राहियों को मिला नामांतरित पट्टा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उत्तर बस्तर कांकेर, 4 अगस्त। कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम सेलेगांव में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में वन अधिकार मान्यता अधिनियम के नवीन संशोधित नियम के तहत् आठ हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र का फैती नामांतरण कर उन्हें ऋण पुस्तिका प्रदान की। एफआरए के नवीन संशोधित नियम के तहत् जिले में यह प्रकरण है, जिसमें वन अधिकार पट्टाधारक के मृत हो जाने पर उनके वारिसान के नाम पर नामांतरण एवं अभिलेख दुरूस्तीकरण कर उन्हें पट्टे वितरित किए गए। ग्राम सेलेगांव में आयोजित शिविर में आज कलेक्टर ने ग्राम कोरर निवासी मृतक गोवर्धन की पत्नी फूलकुंवर को एफआरए पट्टे का नामांतरण राजस्व विभाग द्वारा किया जाकर उन्हें अभिलेख की प्रतिलिपि सौंपी। इसी तरह ग्राम कुर्गी निवासी गज्जूराम की मृत्यु हो जाने पर उनकी पुत्री फूलवती एवं स्व. अंकालूराम की पत्नी तुलसीबाई को, ग्राम बैजनपुरी निवासी स्व. अंकालूराम की पत्नी बनवासा, ग्राम दावकट्टा के स्व. दुबकाराम की पत्नी लगनीबाई को, ग्राम बयानार के स्व. संजय की पत्नी सतायबाई को तथा ग्राम कनेचूर के स्व. सुकलाल के पुत्र बिसम्भर और ग्राम भैंसाकन्हार के स्व. कार्तिकराम के पुत्र राजेन्द्र कुमार को नामांतरित वन अधिकार पट्टा वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. सुमित अग्रवाल, एसडीएम भानुप्रतापपुर सुश्री आस्था राजपूत, तहसीलदार सुरेन्द्र उर्वशा और नायब तहसीलदार अभिषेक देवांगन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि वन अधिकार पत्रधारकों की मृत्यु होने पर उनके विधिक वारिसानों के नाम वन अधिकार हस्तांतरण संबंधी प्रावधान का उल्लेख वन अधिकार अधिनियम, 2006 नियम 2007 एवं संशोधित नियम 2012 में नहीं है, जिसके कारण वंशजों को वन अधिकारों के हस्तांतरण आदि में समस्या आ रही थी। वर्तमान में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु होने के कारण उनके वारिसान के नाम पर भूमि का हस्तारित करने तथा भविष्य में समय-समय पर वारिसानों को भूमि हस्तांतरण किये जाने की आवश्यकता को देखते हुए आदिम जाति विकास विभाग द्वारा नवीन राजपत्र जारी कर वन अधिकार पत्र धारकों के प्रकरणों में भूमि संबंधित बंटवारा, अभिलेख में त्रुटि सुधार, सीमांकन, अपील, इत्यादि का प्रावधान कर प्रक्रिया को सरलीकृत किया गया है। कलेक्टर श्रीसागर ने जिले के ऐसे हितग्राहियों को संशोधित नियमावली के तहत् आवेदन करने की अपील की है।

समाचार संक्षेप

भविष्य में हमारी शिक्षा नीति विश्व स्तर पर नई पहचान बनाएगी : बृजमोहन

रायपुर, 4 अगस्त। 3 अगस्त को शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर में नव प्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद, रायपुर बृजमोहन अग्रवाल ने नव प्रवेशित छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए महाविद्यालय में प्रवेश जीवन की नई शुरुआत है,जहाँ विद्यार्थी अपने भविष्य की नींव तैयार करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम में अलग-अलग विषयों से अवगत होंगे निश्चित रूप से भविष्य में हमारी शिक्षा नीति विश्व स्तर पर नई पहचान बनायेगी। उन्होंने छात्राओं को निरंतर आगे बढ़ते रहने एवं संयमित जीवन जीने की बात कही। सांसद ने महाविद्यालय के विभिन्न विकास कार्यों हेतु पी. एम. उषा फंड से पाँच करोड़ रुपये देने की घोषणा की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण गजपाल ने कहा दीक्षारम्भ कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से नव प्रवेशित छात्राओं को अवगत कराना है। छात्राएँ चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत अध्ययन करेंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्राओं को बहुसंकाय अध्ययन की सुविधा प्राप्त है। प्रदेश में इस सत्र से सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय एवं विश्विद्यालय में संचालित किया जा रहा है। नव प्रवेशित छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति से अवगत कराने महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त प्रथम सेमेस्टर की पाँच छात्राओं दीप्ति नारंग, आशी कुमारी, नेहल जैन, हर्षिता देवांगन एवं मानसी पाण्डेय को एन. ई. पी. एम्बेसडर के रूप में चयनित किया गया है। जिनका कार्य नवप्रवेशी छात्राओं को उनकी कक्षाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों से अवगत कराएंगी। कार्यक्रम में नेताप्रतिपक्ष नगर निगम रायपुर मीनल चौबे एवं पार्षद सीमा कंदोई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन आईक्यू एसी प्रभारी डॉ. उषा किरण अग्रवाल व आभार प्रदर्शन डॉ. कल्पना मिश्रा ने किया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, महाविद्यालय के अधिकारी- कर्मचारी, एवं नव प्रवेशित छात्राएं उपस्थित रहे।

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 58 आवेदनों में से 11 का किया गया निराकरण

सिमगा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पंचायत सिमगा में आज सांस्कृतिक भवन वार्ड क्रमांक 8 तिल्दा रोड सिमगा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश में चल रहे जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत नगर पंचायत सिमगा के वार्ड क्रमांक 8 सांस्कृतिक भवन में तिल्दा रोड में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष भागवत सोनकर तथा वार्ड पार्षद ने मिलकर किया। शिविर में कुल 58 आवेदकन प्राप्त हुऐ जिसमें 11 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया अन्य आवेदनों हेतु आवश्यक पहल किया गया साथ ही उक्त शिविर का संयुक्त संचालक क्षेत्रीय कार्यालय कि टीम ने मौके पर पहुंच कर निरीक्षण किया। इस शिविर में प्रमुख रूप से समस्याओं के निराकरण के लिए अध्यक्ष वार्ड पार्षद एवं नगर पंचायत के अधिकारी उपस्थित थे।

जैन दादाबाड़ी में 5 से 25 अगस्त तक 21 दिवसीय दादा गुरुदेव इक्तिसा जाप

रायपुर, 4 अगस्त। सूरत में विराजमान खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी म सा ने चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में 5 अगस्त से 25 अगस्त तक आयोजित 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के लिए वासक्षेप प्रदान किया। ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने आज सूरत में वासक्षेप व आशिर्वाद ग्रहण किया। 4 अगस्त को हरेली अमावस्या के पावन अवसर पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा कर छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि, अच्छी फसल व हरियाली हेतु मंगल प्रार्थना की गई उकाशय की जानकारी सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष सन्तोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने दी। सर्वप्रथम चारों दादागुरुदेव की वेदी प्रतिमाओं के सम्मुख अष्ट प्रकारी पूजा का विधान होगा। अध्यक्ष सन्तोष बैद, वर्धमान चोपड़ा, दीशी बैद, विवेक बैद, निर्मल पारख मंजु कोठारी द्वारा बड़ी पूजा का विधान सम्पन्न किया गया। महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि कुशल नाम है कितना प्यारा, जन जन की आंखों का तारा, जब कोई नही आता मेरे दादा आते हैं, मेरे दुःख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं, भजनों से वातावरण गुरुभक्ति में सरोबोर हो गया। चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में 5 अगस्त से 21 दिवसीय इक्तिसा जाप आरम्भ होगा। 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के लिए 5 अगस्त को प्रातः 9 बजे मूर्ति, अखण्ड दीपक व कलश स्थापना विधिकारक विमल गोलछा द्वारा विधिपूर्वक कराई जाएगी। मूर्ति स्थापना तिलोकचंद शांती अशोक बरड़िया, अखण्ड दीपक संतोष सरला बैद, कलश स्थापना इंदरचंद आकाश श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा की जावेगी। चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में प्रतिदिन रात्रि 8 से 9 बजे तक इक्तिसा जाप 5 से 25 अगस्त तक होगा।

एक नजर

कारखाना संचालकों की सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा 6 को

रायपुर, 4 अगस्त। राग मजदूर सेवा समिति समनपुर द्वारा एक दिवसीय हनुमान चालीसा का पाठ बालाजी स्ट्रक्चर - टाटीबंध रिंग रोड न.2 रायपुर पर रखा गया है। बालाजी स्ट्रक्चर द्वारा कंपनी के एक मजदूर का हाथ कट जाने पर कंपनी नहीं ने कोई मुआवजा नहीं दिया। उसको नियुक्ति पत्र, इ.एस.आई. सी, प्रोविडेंट फण्ड दिया गया फर्जी तरीके से अपना कर्मचारी बना कर काम लिया जाता रहा है। कंपनी में कार्य करने वाले मजदूरों को सुरक्षा के नाम पर सुरक्षा हेलमेट, सुरक्षा जैकेट, सुरक्षा ग्लोव्स, सेफ्टी जूता तक नहीं दिया जा रहा है। जिससे मजदूरों की सुरक्षा हेतु कोई भी कार्य नहीं किया जाता है। अयोद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग बिल्कुल भी कार्य नहीं कर रहा है। पूरे इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर का यही हाल है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कारखाना संचालकों को हनुमान जी सद्?बुद्धि प्रदान करें इस हेतु हनुमान चालीसा का पाठ 6 अगस्त दिन मंगलवार को कारखाना गेट के बाजू में हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। जिसमे मंत्रियों, विधायकों, प्रशासनिक अधिकारीयों, पीड़ित परिवार को भी निमंत्रित किया गया है।

डॉ. हरीश पोड़ियाम व समीर कुमार नाग सुकमावासियों को देंगे स्वास्थ्य सेवा

सुकमा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के दो और आदिवासी युवा डॉ. हरीश पोड़ियाम व समीर कुमार नाग सुकमा वासियों को स्वास्थ्य सेवा देंगें। ये दोनो एमबीबीएस डॉ. अति संवेदनशील व नक्सल प्रभावित क्षेत्र के है निवासी डॉ. हरीश पोड़ियाम कोन्टा ब्लाक के ग्राम पंचायत पेन्टापाड़ के बड़ेकेड़वाल का निवासी, सुकमा जिला हास्पिटल मे सेवा देंगें। डॉ. समीर कुमार नाग छिन्दगढ ब्लाक के ग्राम पंचायत कुन्दनपाल ग्राम कुन्दनपाल का निवासी , अभी छिन्दगढ हास्पिटल मे सेवा देगें। सुकमा जिले के आदिवासी एमबीबीएस होनहार युवा डॉक्टरों का मिसाल है।

सुकमा जिले के स्कूली बच्चों को नहीं मिल रहा पोषक आहार

सुकमा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बच्चों का कहना है कि उन्हें कभी खाना खाने के लिए सब्जी कम होती है बच्चों ने मुझे बताई अपनी समस्या मैंने कहा डरो मत बेटा आप लोगो की समस्या जल्दी दूर होगा। किसी बच्चों का खाना नही मिलने पर बच्चे पैसा कलेक्शन कर सहायता करते हैं। जहां होता है शिक्षा ग्रहण करना वहा पानी से भरा रहता है क्लास रूम टायलेट खराब की स्थिति में है बच्चों को नंबर लगाना पड़ता है कि मेरा नंबर कब आएगा टायलेट के लिए। आखिर कब सुधरेगा ऐसी लचर व्यवस्था जिससे बच्चों को मिल सके पौष्टिक आहार और बेहतर नास्ता। खाना के नाम पर न जाने बच्चों को घटिया क्वालिटी के बनाकर खिलाया जाता है खाना। अधिकारी मस्त बच्चे पस्त।

जिले में अब तक 889.4 मिमी वर्षा दर्ज

उत्तर बस्तर/कांकेर, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में 1 जून से अब तक 889.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सर्वाधिक वर्षा भानुप्रतापपुर तहसील में 42 मिली मीटर तथा सबसे कम चारामा तहसील में 6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इसी प्रकार कांकेर तहसील में 11.6 मिलीमीटर, दुर्गाकोंदल में 30.3, अंतागढ़ में 36.8 पखांजूर में 20.2, नरहरपुर में 8.1 और सरोना में 11.5 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से की बस्तर के पुल-पुलिया और सड़क निर्माण सहित मोबाइल टॉवर स्थापना की समीक्षा

नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वयन की समीक्षा कर प्रगति लाने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 अगस्त। मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन अमिताभ जैन ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के अंतर्गत आरआरपी फेस-1 एवं फेस-2 में शामिल सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण सहित मोबाईल टॉवर स्थापना की विस्तृत समीक्षा की और उक्त कार्यों हेतु लंबित भूमि अधिग्रहण एवं फारेस्ट क्लियरेंस सम्बन्धी कार्यवाही को समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक के दौरान नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में अद्यतन प्रगति लाने और व्यक्तिमूलक योजनाओं से शत-प्रतिशत ग्रामीणों को लाभान्वित किये जाने पर बल दिया।

मुख्य सचिव ने बस्तर संभाग के अंतर्गत आरआरपी फेस-1 एवं फेस-2 में शामिल सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण सहित मोबाईल टॉवर स्थापना की समीक्षा में नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग कोण्डागांव से नारायणपुर-कस्तूरमेटा के लिए भूमि अधिग्रहण और फारेस्ट क्लियरेंस को सर्वोच्च प्राथमिकता देने कहा। साथ ही अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण एवं पुल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण और फारेस्ट क्लियरेंस कार्यवाही शीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने 2024-25 के वार्षिक कार्ययोजना के क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत सड़क निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने नियद नेल्लानार योजना में शामिल बस्तर संभाग के कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा जिले के गांवों में लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता एवं कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने निर्देशित किया कि योजना क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, शिक्षा, खाद्यान्न, पोषण आहार, पेयजल की सुलभता सहित वहां के किसानों को किसान सम्मान निधि, खेतो में नलकूप स्थापना, सोलर सिंचाई पम्प, उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नियद नेल्लानार योजना हेतु निर्मित डेसबोर्ड के आंकड़ों की निरंतर समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के नोडल अधिकारियों से कहा। साथ ही नोडल अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से सम्बंधित योजनाओं की प्रगति की निगरानी डेसबोर्ड के माध्यम से नियमित तौर पर करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास निहारिका बारिक, सचिव लोक निर्माण कमलप्रीत सिंह सहित राज्य शासन के वरिष्ठ उच्चाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी., कलेक्टर विजय दयाराम के., सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे और बीएसएनएल, लोक निर्माण, वन, राष्ट्रीय राजमार्ग इत्यादि विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेलेगांव को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक प्रमाण पत्र

उत्तर बस्तर कांकेर 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेलेगांव को एनक्यूएस सर्टिफिकेट दप्रदान किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले जिले के 02 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 01 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 02 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण मिल चुका है। भारत सरकार की टीम द्वारा अस्पतालों को मानकों के आधार पर मूल्यांकन कर प्रतिशत भी दिया गया है, जिसमें सेलेगांव को 85.87 प्रतिशत अंक मिले हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के 07 मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इन सभी मूल्यांकन पर जो योग्य होता है, उसे ही एनक्यूएस सर्टिफिकेट दिया जाता है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन का उद्देश्य अस्पतालों की सुविधाओं को सुदृढ़ करते हुए आम जनता तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है। उन्होंने सेलेगांव के समस्त स्टाफऔर एनक्यूएस के लिए तैयारी में लगी टीम के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी है।

बस्तर के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं, कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर दें : कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 अगस्त। जिला कौशल विकास प्राधिकरण और लाईवलीहुड कॉलेज आड़ावाल जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में लाईवलीहुड कॉलिज आड़ावाल जगदलपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया था, उक्त रोजगार मेला का कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने निरीक्षण किया। इस दौरान कंपनियों के प्रतिनिधियों से युवाओं को नौकरी में वेतनमान, योग्यता, अन्य सुविधाओं, पदों की संख्या का संज्ञान लेते हुए कहा कि बस्तर के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है बस मौका देने की आवश्यकता है। उन्होंने नियोक्ता कंपनियों को पारिश्रमिक दर में वृद्धि कर अधिक से अधिक युवाओं को प्रभावित करने के भी सुझाव दिए। इस प्लेसमेंट कैंप में आर्मस्ट्रांग स्पिनिंग मिल्स तमिलनाडु, विस्ट्रॉन इन्फोकॉम बैंगलोर,पॉक्सकॉन इंडिया बैंगलोर,लाइफ सर्कल हेल्थ सर्विसेज हैदराबाद, फाइंड दश छत्तीसगढ़ सहित जगदलपुर शहर के सत्यभामा कमर्शियल, एलआईसी, मगध इलेक्ट्रिकल्स, टाइटन वर्ल्ड और श्री हरि ट्रैक्टर्स जगदलपुर के द्वारा साक्षात्कार के आधार पर इलेक्ट्रीशियन, सिलाई मशीन ऑपरेटर, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, सिक्योरिटी गार्ड, मोबाईल असेंबली ऑपरेटर आदि पदों पर नियोक्ताओं के द्वारा चयन प्रक्रिया किया गया। सभी तरह के योग्यताधारी 8 वीं, 10 वीं, 12वीं उत्तीर्ण और ग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट महिला व पुरुष अभ्यर्थी आवेदन किया गया। लगभग 357 से अधिक युवाओं ने मेला का लाभ लिया, जिसमें 09 नियोक्ता कंपनियों द्वारा 245 युवाओं को प्राथमिक स्तर के लिए चयन किया गया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' एवं सड़क सुरक्षा की बैठक हुई संपन्न

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, सुपोषण को दें प्राथमिकता : सांसद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 4 अगस्त। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा ''की बैठक कलेक्ट्रेट सभागृह में सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास मूलक योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी गण इन योजनाओं में तेजी से प्रगति लाने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय एवं बेहतर तालमेल एवं सहयोग के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का संचालन जिले में समुचित ढंग से हो सके इसके लिए अधिकारीगण सक्रियता के साथ कार्य करें।

बैठक में स्थानीय विधायक दंतेवाड़ा चैतराम आटमी, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर सहित जनप्रतिनिधिगण और जिला कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, डीएफओ सागर जाधव, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम जयंत नाहटा तथा सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

''दिशा'' की बैठक में महत्वपूर्ण केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), छ.ग. ग्रामीण सड़क योजना विकास अभिकरण (प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना), छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा हुई। बैठक में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यहां की महिलाओं तथा बच्चों के भोजन में अतिरिक्त रूप से ''यूनिवर्सल अंडा'' प्रत्येक केंद्र में प्रतिदिन प्रदान किए जा रहे हैं, जो कुपोषण से सुपोषण की ओर ले जाने का बहुत अच्छा जरिया है। इसके साथ ही सांसद महेश कश्यप ने जिले में स्वास्थ्य शिक्षा सड़क बिजली सुपोषण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सड़कों से पशुओं का जमावड़ा हटाने दल कर रहा कार्रवाई

■ दोबारा सड़क में मिले पशुओं के मालिकों से किया जा रहा जुर्माना वसूल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 अगस्त। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर विजय दयाराम के. मार्गदर्शन नगर पंचायत बस्तर क्षेत्रातर्गत एनएच 30 एवं विभिन्न मुख्य मार्गों में आवारा पशुओं के जमावाड़ा को नियंत्रण एवं हटाने की कार्यवाही किया जा रहा है। साथ ही पशुओं को टैगिंग, पशुओं के गले में रेडियम पट्टी लगाने की कार्यवाही की जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी तरुण लहरे ने बताया कि सड़कों में पशुओं का जमावाड़ा को हटाना, उनके मालिकों को चिन्हांकित कर उन्हे साथ ले जाने संबंधी सूचना देना, पशुओं के गले में रेडियम पट्टी की उपलब्धता है या नहीं यह सुनिश्चित करने एवं उन्हें सुरक्षित गौठान में ले जाने के लिए दल का गठन कर कार्यवाही की जा रही है। इसके अलावा दुबारा पशु की जमावड़ा सड़क पर होने पर पशु मालिकों से जुर्माना वसूल की जा रही है।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 11 तक

उत्तर बस्तर/कांकेर, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में सत्र अगस्त 2024-25 एवं 2024-26 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 11 अगस्त तक आमंत्रित की गई है। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रवेश के लिए संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के विभागीय वेबसाईट cgiti.cgstate.gov.in के ''ऑनलाइन एप्लीकेशन 2024'' पर क्लिक कर पंजीयन एवं प्रवेश हेतु व्यवसाय का चयन किया जा सकता हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 11 अगस्त निर्धारित की गई है।

एक नजर

शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 4 अगस्त। सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के निहित प्रावधानों के अनुसार अनुविभागीय बीजापुर के अन्तर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान ग्राम पंचायत मनकेली को निरस्त करते हुए उपरोक्त ग्राम पंचायत मनकेली की शासकीय उचित मूल्य दुकान को आबंटित किया जाना है। शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी यथा वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियां लेम्पस ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति अन्य सहकारी समिति राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट सार्वजनिक उपक्रम एवं प्राथमिक साख समितियों से आवेदन पत्र 09 अगस्त 2024 सायं 5 बजे तक आमंत्रित किया गया है। इच्छुक एजेन्सी, समिति, संस्था आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला कार्यालय खाद्य शाखा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीजापुर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

नियद नेल्लानार योजना के तहत अंदरूनी क्षेत्रों में 4 उचित मूल्य की दुकानें स्वीकृत

बीजापुर 4 अगस्त। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत बीजापुर जिले में ग्रामीणों की सुविधा अनुसार उनके मूल ग्राम में नवीन 04 उचित मुल्य की दुकान स्वीकृत किया गया है। विकासखंड उसूर अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुतकेल से नवीन दुकान चिल्कापल्ली, ग्राम पंचायत तर्रेम से नवीन दुकान चुटवाही, ग्राम पंचायत चिन्नागेल्लूर से नवीन दुकान पेदागेल्लूर, ग्राम पंचातय चिपुरभटटी से नवीन दुकान पाकेला प्रारंभ किया गया है। उक्त ग्राम के कार्डधारियों को माह अगस्त 2024 से उनके मूल ग्राम में राशन वितरण किया जावेगा। उक्त स्थानों पर नवीन उचित मूल्य दुकान सह भवन की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर श्री नारायण गवेल ने बताया कि शासन की अति महत्वपूर्ण योजना नियद नेल्लानार अन्तर्गत ऐसे ग्राम जहां राशन सामग्री लेने 3-4 किलोमीटर का सफर तय करना पडता था उन स्थानों पर कार्डों की संख्या के आधार पर नवीन दुकान स्वीकृत कर प्रारंभ किया गया है। जहां अगस्त 2024 से राशन वितरण होगा। जिससे उक्त ग्राम के कार्डधारियों को उनके मूल ग्राम में राशन मिल पायेगा। ज्ञात हो कि नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों में चांवल के साथ साथ शक्कर, नमक, चना, गुड भी निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।अतः सर्व, उचित मूल्य दुकान संचालकों को प्रतिमाह निर्धारित मात्रानुसार राशन वितरण करने हेतु निर्देशित कर खाद्य निरीक्षकों को दुकानों का सतत मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया गया है।

बालम मंच पर साहित्य एवं संगीत की प्रतिभाओं का समागम

एक शाम मुंशी प्रेमचंद एवं मोहम्मद रफ़ी के नाम का कार्यक्रम आयोजित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 4 अगस्त। साहित्यकारों एवं कला संगीत की प्रतिभाओं को तराशने एवं उन्हें उपयुक्त मंच देने के लिए बालम नामक मंच की परिकल्पना जिले के कवि बीरा राजबाबू एवं उनके साथी गायक सुजीत मजूमदार ने मिलकर किया। बालम संक्षिप्त नाम है जिसका पूरा नाम बीजापुर आर्ट लिटरेचर एंड म्यूजिक है। 31 जुलाई को मुंशी प्रेमचंद जी की 144 वीं जयंती एवं मोहम्मद रफी साहब की 44 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक शाम मुंशी प्रेमचंद एवं मोहम्मद रफ़ी के नाम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पटवारी सदन में किया गया संध्या 7-00 बजे से लेकर रात्रि 9-30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में सभी ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी एवं उपस्थित श्रोतागण ने भरपूर आनंद लिया। सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा अर्चना किया गया और कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। बीरा जी ने मुंशी जी एवं रफ़ी साहब के जीवनी पर

विस्तृत प्रकाश डाला।स्थानीय कवि अमितेश तिवारी ने मां मेरी अभिव्यक्ति के हित ज्ञान के भंडार दे दो के शब्दों से मां सरस्वती की स्तुति की और व्यंग रचना चासनी से डर शक्कर जहर लगता है बीमार हैं वो जिन्हें धर्म कहर लगता है की प्रस्तुति से सभी की तालियां बटोरी। जिले के नामचीन गायक योगेश जुमने ने मोहम्मद रफी साहब की आज मौसम बड़ा बेईमान है एवं मैं एक राजा हूं तू एक रानी है के गीतों से शमा बांधा । वेदांत जुमने ने चौधरी का चांद हो या आफताब हो गाकर दिल जीत लिया ।सुजीत मजूमदार ने हो रहेगा मिलन हमारा तुम्हारा बैजू बावरा फिल्म का गीतकर झूमने पर मजबूर किया।दुर्गेश साहू ने आज की युवा पीढ़ी पर व्यंग्य करते हुए छत्तीसगढ़ी में नशे पर शेरो शायरी की एवं छत्तीसगढ़ महतारी का यशगान किया । राजीव रंजन मिश्रा ने अपनी पत्नी पर रचना करते हुए पहले मरना तुम पीछे से मैं आऊंगा एवं कैसा है दांपत्य तुम्हारा जैसे कविताओं को प्रस्तुत कर सभी को गुदगुदाया। जगदीश झाड़ी ने आज पुरानी राहों से कोई मुझे आवाज ना दे गाकर महफिल को पुराने दौर में लेकर गए एवं स्वरचित गजल तुम्हे सामने बिठाकर दीदार चाहता हूं की बेहतरीन प्रस्तुति दी । पुरुषोत्तम चंद्राकर ने बीजापुर जिले की पीड़ा को अपने गीत के माध्यम से सामने रखा सिसकियां लेती है मैंना पहाड़ों के उन चोटों से यह है अपना बीजापुर जैसे गीत से माहौल को गंभीर बनाया। साथ ही निशांत झाड़ी ने दीवाना हुआ पागल सावन की घटा छाई जैसे गीत से तालियां बटोरी। जीवनलाल साहू ने रामेश्वर वैष्णव जी की छत्तीसगढ़ी गीत गांव की जिंदगी मां संगीत भरे हैं सुनाकर सभी ने वाह वाही लूटी। संतोष एंड्रिक ने खोया खोया चांद खुला आसमान की मनमोहक प्रस्तुति दी । डॉ. नीलकंठ जोशी ने हां तुम मुझे यूं भुला न पाओगे जैसे सदाबहार गीत को गाकर महफिल को और खुशनुमा बना दिया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों ने भी बारी-बारी से कार्यक्रम के बारे में अपनी बात रखी एवं श्रोता बनकर आए डिप्टी कलेक्टर गीत कुमार सिन्हा ने छत्तीसगढ़ी गीत छैयां भुईयां ला छोड़ जवैयां तैं फिराबे कहां रे की मनमोहक प्रस्तुति देकर पूरा महफिल लूट लिया।कार्यक्रम का संचालन राजबाबू बीरा ने शेर शायरी से माहौल बनाकर किया एवं अपने जीवन के हिस्से का कर्ज लिखता हूं कभी खुद का कभी औरों का दर्द लिखता हूं , तथा एक बड़ा कवि होने का मतलब है पागल हो जाना गजल प्रस्तुत कर तालियां बटोरी श्रृंगार रस से सराबोर तुम कौन हो नाजनीन क्या चांद के पार से आई हो जैसे शेर पढ़कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम में अच्छे श्रोता के रूप में फ्रांसिस तिर्की, ईशांत तिर्की,उमा महेश रेड्डी एवं अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता से जागरूक हुए महिला स्वसहायता समूह एवं ग्रामीण

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 अगस्त। वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन ग्राम बायंग के दीनानाथ मेमोरियल सामुदायिक भवन में किया गया। जिसमें लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन प्रोजेक्ट, बिहान योजना एवं प्रदान संस्था के द्वारा संचालित रायगढ़ महिला संघ ने एक विशेष समारोह के दौरान वित्तीय साक्षरता जागरूकता अभियान शिविर आयोजित हुआ। इस अवसर पर महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता से जागरूक करते हुए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। रायगढ़ महिला संघ के पदाधिकारी, बिहान के विभिन्न केडर, स्थानीय पंचायत सरपंचण, सहती महिला समूह के सदस्य और अन्य ग्रामीण लोग भी शामिल हुए।

रायगढ़ महिला संघ के पदाधिकारियों के द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए उद्घाटन समारोह की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथियों ने महिलाओं से प्रेरित होकर सभी को उचित बैंकिंग व्यवहार प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने कहा डिजिटल भारत के अंतर्गत विकास को नजर रखते हुए ग्रामीणों को भी अपनी जिम्मेदारी जागरुक हो कर निभानी पड़ेगी।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन प्रोजेक्ट के तकनीकी एक्सपर्ट के द्वारा महिला समूहों के सदस्यों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बैंकिंग के निम्न सेवाओं की जानकारी दी। जिसमें व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं की विशेष जानकारी, बीमा का महत्व, महिला समूह के सदस्यों की जागरुकता, उद्यमिता विकास/व्यवसाय को बढ़ावा, आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कर्ज के सुविधा की जानकारी, सिविल स्कोर की भूमिका और कर्ज वापसी की जानकारी, वित्तीय साक्षरता का स्मार्ट फार्मूला, सेट फइनेंशियल गोल्स (वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें),मैनेज योर मोनी (अपने पैसे का प्रबंधन करें),असेस योर रिस्क (अपने जोखिमों का आकलन करें),रिव्यू एंड रिवाइज (समीक्षा और संशोधन करें),टेक कंट्रोल ऑफ योर फाइनेंस (अपने वित्त पर नियंत्रण रखें) की जानकारी के ऊपर विशेष चर्चा की गई।

वित्तीय साक्षरता शिविर का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता के महत्व को बढ़ावा देना, लोगों को वित्तीय निर्णय लेने में मदद करना, वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर देना और बजट बनाने, बचत करने, निवेश करने और ऋण प्रबंधन के बारे में जानकारी। शिविर के आयोजकों ने कहा कि वे वित्तीय साक्षरता के महत्व को बढ़ावा देने के लिए और शिविर आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता लोगों को अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करती है।

समाचार संक्षेप

बेस्ट आर्थोपेडिक अस्पताल शहर में अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा

रायपुर 4 अगस्त। मध्य भारत में स्थित प्रदेश एवं रायपुर शहर का पहला और एकमात्र विशिष्ट हड्डियों एवं जोड़ रोग का ऑर्थोपेडिक अस्पताल जो अब एक नई अवधारणा के साथ सामने आया है। प्रदेश एवं शहर के नागरिकों के लिए बेस्ट ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल विशिष्ट आधुनिक संसाधनों के साथ एक अनोखी सौगात है। क्योंकि अब हड्डी एवं जोड़ रोगों के उपचार तथा बड़ी से बड़ी सर्जरी के लिए शहर से बाहर अहमदाबाद, हैदराबाद, मुंबई या नागपुर जैसे महानगरों में जाने की आवश्यकता नहीं है। इस अस्पताल में 10 से भी अधिक हड्?डी रोग विशेषज्ञ एक ही छत के नीचे सेवारत है। ÷बेस्ट ऑर्थोपेडिक अस्पताल में सभी प्रकार की हड्डी एवं जोड़ रोग से उपलब्ध सेवाएं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, एन्डोस्कोपी एवं स्पाइन केयर, स्मेटोलोजी, जेरीऐट्रिक (वृद्धावस्था) में हाड़ियों एवं जोड़ संबंधित विशिष्ट समस्याएं, गठिया रोग का इलाज, खेल से संबंधित चोट, दूरबीन से होने वाले ऑपरेशन यानि कि आर्थोस्कोपी, औ?द्योगिक एवं सड़क दुर्घटना (पॉलीट्रॉमा) में होने वाले गंभीर चोट, बच्चों में होने वाले विकृति एवं हड्डियों और जोड़ों की समस्याओं का भी उपचार विशिष्ट रूप से किया जाता है।बीमारी के बेहतर उपचार के लिए यहा एक से अधिक विशेषज्ञों के द्वारा उपचार होता है तथा ग्रुप ओपिनियन एवं रोगियों व उनके रिश्तेदारों के साथ विस्तृत परामर्श की भी सुविधा दी जाती है। प्रत्येक ऑपरेशन सिर्फ एक सर्जन के द्वारा ना करके दो या अधिक विशेषज्ञों की टीम के द्वारा किया जाता है। यहा विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी ऑर्थोपेडिक मरीज की देखभाल के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। बेस्ट ऑर्थोपेडिक अस्पताल में वीआईपी सूट रूम, सुपर डीलक्स रूम एवं प्राइवेट वार्ड के साथ ही अत्याधुनिक सुसज्जित फिजियोथैरेपी रिहैबिलिटेशन एवं योग की सुविधा भी प्रदान की जाती है। यहा बेस्ट ऑर्थोपेडिक अस्पताल में सड़क एवं उ?द्योगों में होने वाली दुर्घटनाओं के लिए विशेषज्ञों की एक टीम चौबीसों घंटे सातों दिन (24×7) उपलब्ध रहती है तथा गंभीर और पॉलीट्रॉमा मरीजों के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित 15 बिस्तरों वाला आईसीयू भी उपलब्ध है।

फुटबॉल खिलाड़ी अखिल धुर्वा का नेशनल चैंपियनशिप के लिये चयन

बीजापुर 4 अगस्त। जूनियर बॉयस नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप डॉ. बीसी रॉय ट्रॉफी 2024-25 का आयोजन छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में चल रहा है। । इस टूर्नामेंट के लिए बीजापुर के अखिल धुर्वा का चयन छत्तीसगढ़ टीम में हुआ है। जिले से पहली बार फुटबॉल में किसी बॉयस का चयन ओपन नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के लिये हुआ है। टूर्नामेंट में 15 राज्य क्रमशः छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, मिजोरम, उड़ीसा, कर्नाटक, पंजाब, चंडीगढ़, मेघालय, झारखंड, गोवा, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडू भाग ले रहे हैं। अखिल की कोच ज्योति यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि एकेडमी के खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर रहे है जिसका परिणाम उन्हें मिल भी रहा है। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार एवं डिप्टी कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी श्री नारायण प्रसाद गवेल ने आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी है।

मेगा पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन 6 अगस्त को

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 अगस्त। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर रायगढ़ जिले के 7 विकास खण्डों के 250 संकुलों में संकुल स्तरीय मेगा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन आगामी 6 अगस्त को किया जाएगा। नवीन शिक्षण सत्र 2024-25 प्रारंभ हो चुका है। शासन की ओर से निःशुल्क सुविधायें उपलब्ध कराते हुये बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए प्रयास किये जा रहे है, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण एवं संस्कार का शत-प्रतिशत लाभ विद्यार्थियों को मिले तथा उनका सर्वांगीण विकास हो।

उल्लेखनीय है कि बच्चों का भविष्य गढ़ने में शिक्षक एवं पालक दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। अतः दोनों को आपसी सामंजस्य रखते हुये समस्याओं का निदान हेतु सफल प्रयास करना आवश्यक है। बच्चों के भविष्य, सुपोषण एवं अध्ययन-अध्यापन हेतु शासन द्वारा संचालित विद्यार्थियों के हितकारी योजनाओं की चर्चा के लिये आपके गांव से संबंधित संकुल में संकुल स्तरीय पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। संकुल स्तर पर आयोजित इस मेगा बैठक में संकुल अंतर्गत सभी शासकीय विद्यालयों के शिक्षक और पढ़ने वाले बच्चों के पालक/अभिभावक, जागरूक नागरिक शामिल होंगे। इस मेगा बैठक में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जायेगी एवं बच्चों के प्रगति पर चर्चा की जायेगी। आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर समाधान खोजा जायेगा। शिक्षाविद् एवं काउन्सलर भी शामिल होंगे। सभी मिलकर बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण की योजना बनायेगें। शिक्षा विभाग ने जिले के सभी पालकों को इस मेगा बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होकर बच्चों के साथ-साथ देश का भविष्य गढ़ने में सहयोगी बनने हेतु आग्रह किया है।

नगर पंचायत साजा में विभिन्न वार्डो के जन समस्या निवारण शिविर में पहुंच रहे है लोग

साजा 4 अगस्त। शासन के आदेशानुसार दिनांक 27/07/2024 से दिनांक 10/08/2024 के मध्य जन समस्या निवारण पखवाडा का आयोजन नगरीय क्षेत्र नगर पंचायत साजा के विभिन्न वार्डों में पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित किया जा रहा है,स्थानीय नगरीय निकायों द्वारा अपने क्षेत्र के नागरिको को मूल भुत नागरिक सुविधाए यथा डोर टू डोर,नल जल आपूर्ति ,राशन कार्ड सामाजिक सहायता योजना, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, अनापत्ति प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञा , नालियों एवं गलियों की साफ सफाई, सडको की गड्डे पाटना, स्ट्रीट लाइट मरम्मत आदि दयनान्दिनी समस्यायों के निराकरण करना इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शुभारम्भ दिनांक 27/07/2024 से 29.07.2024 को यादव भवन साजा में वार्ड क्रमांक 01, 07, एवं 15 दिनांक 30.07.2024 से 01.08.2024 वार्ड क्रमांक 02,03,04 कर्मा भवन साजा, दिनांक 02.08.2024 से 04.08.2024 तक वार्ड क्रमांक 05सेवा भवन साजा में वार्ड क्रमांक 05, 09,10 दिनांक 05.08.2024 से 07.08.2024 तक वार्ड क्रमांक 08 सांस्कृतिक मंच राम मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 06,08,11 दिनांक 08.08.2024 से 10.08.2024 तक वार्ड क्रमांक 12 डॉ बी आर अम्बेडकर भवन साजा में वार्ड क्रमांक 12,13,14 जनसमस्या का शिविर आयोजित होगा जिसमे आम नागरिकों से अपील है।

फार्मेसी की छात्रा से लूटपाट करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई 4 अगस्त। चंदखुरी बस स्टाप दुर्ग के पास एक फार्मेसी की छात्रा से लूटपाट करने वाले बदमाशों को पुलगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है घटना की शिकार छात्रा ने भी साहस का परिचय देते हुए मोबाइल लूटकर भाग रहे आरोपित का कालर पकड़ लिया था, जिससे तीनों बाइक से गिर गए थे और उसके बाद दो आरोपित फरार हो गए थे। मुख्य आरोपित को भीड़ ने पकड़ा और पुलिस के हवाले किया गया। वहीं मौके से भागे बाकी के दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपितों के खिलाफ लूट की धारा के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया है शिकायतकर्ता यामिनी साहू दुर्ग के एक कालेज में फार्मेसी की छात्रा है। वह शुक्रवार की शाम को कालेज से छूटने के बाद चंदखुरी के बस स्टाप पर बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान वह मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। तभी नदी की तरफ से बाइक सवार तीन लोग पीछे से आए। बीच में बैठे बदमाश ने छात्रा के हाथ से मोबाइल छीन लिया और तीनों वहां से भागने लगे। तभी छात्रा ने मोबाइल छीनने वाले बदमाश का कालर पकड़ लिया छात्रा ने जिस बदमाश को पकड़ा था, उसका नाम बंसीलाल बारले है वह अपने दो साथी अमरनाथ जंघेल और तरुण नेताम के साथ दुर्ग आया था तीनों आरोपित शिवाजी नगर खुर्सीपार के रहने वाले हैं। आरोपित बंसीलाल से जानकारी मिलने के बाद पुलगांव पुलिस ने बाकी के दोनों आरोपितों को भी गिरफ्तार किया। आरोपित बंसीलाल से एक चाकू भी बरामद किया गया है। आरोपितों का पुराना आपराधिक रिकार्ड भी है। आरोपित अमरलाल को उसके भाई की हत्या के आरोप में नंदिनी पुलिस ने गिरफ्तार किया था वह अभी जमानत पर बाहर था बाकी के दोनों आरोपित भी बदमाश हैं।

स्वास्थ्य विभाग घर-घर दस्तक देकर कर रहा सोर्स रिडक्शन

रायगढ़, 4 अगस्त। शहर में डेंगू के बढ़ते प्रकरण के मद्देनजर कलेक्टर से कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में डेंगू सोर्स रिडक्शन का कार्य किया जा रहा है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की टीम संयुक्त रूप से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में घरों में पहुंच लोगों से मिलकर डेंगू संभावित स्थानों का निरीक्षण कर दवाईयों का मौके पर छिड़काव भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग गत दो दिनों 1184 घरों का सर्वे कर सोर्स रिडक्शन के साथ दवाइयों का छिड़काव किया गया। इस दौरान टीम द्वारा लोगों के घरों के कबाड़ वाले स्थान, छतों, गमलों, स्टोर, ओवर हेड टंकी जैसे स्थानों की जांच की। स्वास्थ्य विभाग द्वारा घरों के सर्वे एवं सोर्स रिडक्शन के साथ ही लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें अपने आस-पास के ठहरे पानी को साफ करने एवं पानी जमा न होने देने की अपील भी कर रहे है, ताकि डेंगू के लार्वा न पनप सके। उन्होंने कहा कि डेंगू के उत्पत्ति के स्थान घरों में ही होते हैं, इसलिए लोगों को अपने घरों की सफाई में ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि डेंगू के मच्छर कुलर में एक हफ्ता से रखा हुआ स्थिर एवं साफ पानी, बिना ढ़के हुए प्लास्टिक एवं सीमेंट टैंक का साफ पानी, फ्रिज के पीछे ट्रे, गमले में जमा हुआ पानी, पशु एवं पक्षियों के लिए रखा हुआ साफ पानी, नारियल के खोल, टूटे हुए बर्तन एवं डिस्पोजल, गड्ढ़ो में बारिश का जमा हुआ साफ पानी, टायरों में जमा हुआ साफ पानी, अन्य ऐसे स्थान या वस्तु जिसमें स्थिर साफ पानी जमा हो रहा है वहाँ पनपते हैं। उन्होंने जनसामान्य से अपील की कि वे अपने घरों में इन स्थानों की सफाई करें और डेंगू के मच्छरों को पनपने से रोकें।

अंबागढ़ चौकी ब्लाक के चार गांवों में फैला डायरिया

पीईची विभाग के गैर जिम्मेदाराना रवैए से ,अब बिस्तर में ग्रामीण

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मोहला 4 अगस्त। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण अंबागढ़ चौकी विकासखंड के चार गांवो में बीते तीन दिनों से डायरिया ने पैर पसार लिया है।केसला,कोटरा,मालडोगरी गांव के पीड़ित महिला पुरुष ग्रामीणों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ चौकी, तथा राजनंदगांव मेडिकल कॉलेज में उपचार कराया जा रहा है वहीं चिल्हाटी डायवर्सन पुल के बह जाने से टापू में तबदिल हो चुके मिरचे गांव में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कैंप लगाकर डायरिया पीड़ितों का उपचार किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर अस्पताल में दाखिल मरीजों को देखने खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू , नगर पंचायत अध्यक्ष विद्या ताम्रकार, उपाध्यक्ष रितेश मेश्राम, पार्षद साधना सिंह, विजय यादव आज अंबागढ़ चौकी अस्पताल पहुंचे।

उल्लेखनीय की लगातार बारिश और उसके रिसाव से दूषित पानी गांव के पेयजल स्त्रोत हैंड पंप तथा बोर में समा गया है जिसके सेवन उपरांत बेहद संख्या में लोग डायरिया से पीड़ित होकर बिस्तर पकड़ लिए है। जानकारी के मुताबिक आर्सेनिक जलवर्धन योजना से 24 गांवो को अंबागढ़ चौकी शिवनाथ नदी से दी जाने वाली जल अपूर्ति योजना पुरे गर्मी के दिनों में बेहाल रहा बीते दिन प्लांट में फाल्ट आने के कारण दो से तीन दिनों तक तमाम गांव में जल आपूर्ति नहीं हो पाया जिसके कारण गांव में स्थापित दुषित बोर हैंड पंप के

पानी का उपयोग करनें के कारण केसला , कोटरा,मालडोरी के ग्रामीण डायरिया से पिडीत हुए। इसी तरह बताया गया कि ग्राम पंचायत मिरचे में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा खोदे गए बोर के पानी का सेवन करने से गांव में डायरिया का संक्रमण तेजी से फैला।

पीईची विभाग है जिम्मेदार-अंबागढ़ चौकी विकासखंड एवं खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के केसला, कोटरा,मालडोगरी गांव के पीड़ित मरीजों से मुलाकात करने पहुंचे क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू ने मीडिया कर्मियों को बताया कि इस जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की तमाम योजनाएं धरातल में दम तोड़ रही है इनके द्वारा स्थापित किए गये तमाम स्त्रोत अब लोगों के लिए जहर बनते जा रहा है। सरकार किसी की भी हो शुद्ध पेयजल प्रदान करने की जिम्मेदारी पीईची विभाग की है जिसके अफसर दफ्तर में कैद होते हुए गले तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।

मिरचे में जमीन लेवल पर केसिंग पाइप-खंड चिकित्सा अधिकारी श्री धुर्वे ने बताया कि मिरचे गांव में जमीन लेवल तक गांव में स्थापित बोर का केसिंग पाइप है जहां पर भारी बरसात में बह रहा दुषित पानी बोर मे समा गया जिसके उपयोग करने से 17 से 18 ग्रामीण डायरिया से पीड़ित है जिनका गांव में ही कैंप कर उपचार किया जा रहा है। वहीं कोटरा से एक ग्रामीण तथा माल डोंगरी के दो ग्रामीणों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ़ चौकी में इलाज किया जा रहा है।

सुलभ शौचालय के निकट बोर से हुए बिमार-केसला गांव के डायरिया से पीड़ित ग्रामीण तथा परिजनों ने बताया कि आर्सेनिक सामुदायिक जलवर्धन योजना के तहत पीईची एसडीओ बीएल खरे के गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण उन्हें पानी नहीं मिला जिसके बाद पंचायत पारा के ग्रामीण सुलभ शौचालय के नजदीक पंचायत के बोर का उपयोग करने पर डायरिया से पिडीत हुए। इस वक्त केसला गांव के सात पुरुष पांच महिलाओं का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है वहीं अन्य गंभीर मरीजों का इलाज मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में कराया जा रहा है।

2 माओवादी जारपल्ली के जंगल से गिरफ्तार

बीजारपुर 4 अगस्त। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत दिनांक 02.08.2024 को थाना पामेड़ एवं कोबरा 204 की टीम ग्राम जारपल्ली एमपुर की ओर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान पुलिस पार्टी द्वारा जारपल्ली से 02 माओवादी को पकड़ा गया। पकड़े गये माओवादियों के कब्जे से टिफिन बम, माओवादी पर्चे, इलेक्ट्रिक वायर बरामद किया गया ।गट्टूपल्ली हुरैया पिता रामा गट्टूपल्ली जोगैया उम्र 34 वर्ष साकिन जारपल्ली थाना पामेढ़ जिला बीजापुर मड़कम हिड़मा पिता हिड़मा पांडू उम्र 25 वर्ष जाति मुरिया साकिन जारपल्ली थाना पामेड़ जिला बीजापुर पकड़े गये माओवादियों के विरूद्ध थाना पामेड़ में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

एक नजर

जन्मदिन पर पूर्व राज्यपाल रमेश बैस को कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

भाटापारा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस को जन्मदिन पर उनके रायपुर स्थित निवास पहुंच कर कार्यकर्ताओ ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रमेश बैस का जन्मदिन उनके शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओ ने उनके रायपुर स्थित निवास मे नेता गण, सामाजिक, व्यापारी गण इत्यादि लोगो ने उनके निवास पहुंचकर बैसजी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। नगर के भाजपा नेता शिव वर्मा, संतोष नायक, राजेश शर्मा, अभिषेक पांडेय, मोनू शुक्ला सहित काफी संख्या मे नगर वासी रायपुर पहुंचकर बैस जी को बधाई एवम शुभकामनाएं दी।

कृषि उपज मंडी के सामने बंशी महाराज की होटल में चोरी

भाटापारा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी के मेन गेट के सामने स्थित बंशी महराज की होटल मे बीती रात चोरी हो गई, अज्ञात चोर ने होटल के छत में लगी सीमेंट सीट उखाड़ कर छत से कपड़े की रस्सी बनाकर नीचे उतरे और नकदी सहित, गुटका, डीओआर इत्यादि को ले गए, घटना की सूचना शहर थाने में प्रार्थी ने दी है। उपरोक्त संबंध में मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार शनिवार की दरम्यानी रात कृषि उपज मंडी के सामने होटल के गल्ले को तोड़कर उसमें रखे 10 बीस रुपए के नोट सहित लगभग 3 हजार के सिक्के, रोहरा में बनने जा रहे श्याम बाबा मंदिर की होटल में रखी दान पेटी जिसमे भी लगभग 3 हजार के आसपास के विभिन्न प्रकार के नोट, गुटका पाउच के अलावा सी सी टी वी कैमरा का डी वी आर भी उखाड़ कर ले गए ताकि कोई पहचान ना हो सके।उक्त मार्ग काफी व्यस्त से व्यस्ततम रहता है उसके बाद भी चोरी की घटना को चोरो ने अंजाम दे दिया।

लगातार बारिश को देखते कलेक्टर ने जनता से की सावधानी बरतने की अपील

बलौदाबाजार, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी ने विगत कुछ दिनों से प्रदेश के साथ-साथ बलौदाबाज़ार भाटापारा जिले में लगातार हो रही तेज बारिश को देखते हुए जिले के आम नागरिकों से इस दौरान सावधानी बरतने की अपील की। जिससे की इस दौरान किसी भी प्रकार की जन-धन की हानि की रोकथाम सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर सोनी ने कहा कि जिले में लगातार हो रही बारिश से नदी नालों एवं नीचले इलाकों में पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। ऐसे कठिन समय में जिले के आमजनों से अपील की जाती है कि वे नदी नालों व जलभराव वाले स्थानों से दूर रहें। सड़क और पुल के उपर से पानी बहने की स्थिति में उस जगह को पार करने का जोखिम बिल्कुल भी ना उठाएं।

विधायक रोहित साहू ने ली जीवन दीप समिति की बैठक, अस्पताल की साफ-सफाई के प्रति भी विशेष ध्यान देने को कहा

मरीजों के प्रति डॉक्टर, स्टाफ अधिकारियों को सकारात्मक रवैया अपनाने के दिए निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 4 अगस्त। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू की अध्यक्षता में शुक्रवार को जीवनदीप समिति की बैठक हुई। बैठक का आयोजन छुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में किया गया।इस दौरान विधायक रोहित साहू ने अधिकारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए।साथ ही वर्तमान समय में फैल रहे संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक संसाधनों को दुरुस्त करने व अन्य लक्षणों वाली बीमारियों के लिए पूर्व से तैयारी करने की बात खंड चिकित्सा अधिकारी व अन्य मेडिकल ऑफिसर से कही।जीवनदीप समिति की बैठक में विधायक ने अस्पताल की साफ सफाई के प्रति भी विशेष ध्यान देने को कहा, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों के प्रति डॉक्टर और स्टाफ का रवैया सकारात्मक हो।मरीजों को मानसिक रूप से सपोर्ट करने और

मिलने से उनकी आधी बीमारियां ठीक हो जाती है।उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की नियमित उपस्थिति के प्रति विशेष ध्यान दें। विधायक रोहित साहू ने भाजपा पदाधिकारियों व अधिकारियों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण भी किया।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश साहू, जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू, केशरी ध्रुव, जनपद अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी, मंडल अध्यक्ष पीलूराम यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, उपाध्यक्ष रिंकू सचदेव, पूर्व मंडल अध्यक्ष लेखराम ध्रुवा महामंत्री रामलाल कुलदीप, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री इमरान मेमन, शिवकुमार जायसवाल, तुलाराम साहू, थानसिंह निषाद, नरोत्तम साहू, इमरान अली, मानसिंह निषाद, धनेश साहू, सुजल कोठारी आदि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बारिश से गांव की सड़कों पर कीचड़, विद्यार्थियों व लोगों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कसडोल, 4 अगस्त। कहने को छत्तीसगढ़ राज्य बनने व बलौदाबाजार भाटापारा जिला बनने के बाद लगातार विकास में वृद्धि हो रही है पर ग्रामीण क्षेत्रों की जमीनी हालात कुछ अलग ही है आज भी गाँव की गलियां कीचड़ से भरी है और गलियों में बड़े बड़े गड्ढे है जिससे बरसात के दिनों में काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। हालात गाँव मरदा की है। सड़कों में गड्ढे, गलियों में कीचड़ पर स्कूली बच्चे व ग्रामीण चलने के लिए मजबूर हैं। विधायक व प्रशासन बेसुध है। ऐसा ही गाँव है लवन तहसील का ग्राम मरदा जहाँ गाँव की गलियों में इतना कीचड़ और गड्ढे है कि चलना मुश्किल हो जाये। गाँव वाले की माने तो इस समस्या को लेकर अनेक आवेदन प्रशासन को दे चुके है पर सुनवाई नहीं है और हम कीचड़ में चलने मजबूर है। वहीं इस गाँव में पहुंचने तक लवन से सड़क तो है पर सड़क में गढ्ढे है या गड्ढे में सड़क, देखा जा सकता है। गाँव वाले का कहना है कि नदी किनारे होने के कारण यहाँ के पास ही गाँव सिरियाडीह, व लाटा से बड़ी मात्रा में रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन इस मार्ग से होता है इसलिए सड़क खराब हो जाती है और तकलीफ राहगीरों को होती है हालात तब और खराब होती है जब व्यक्ति बीमार हो और जल्दी हास्पिटल ले जाना हो।

ग्रामीण अशोक साहू का कहना है कि मरदा से लवन की जो सड़क खराब है वह रेत से भरी ओव्हरलोड हाईवा वाहन चलने से हो रही है वही गाँव की गलियों में जो कीचड़ है उसके लिये शासन प्रशासन को अनेकों आवेदन दिये। विधायक से बोले पर सुनवाई नहीं हो रही है सरपंच से भी कहा कि मूलभुत से व्यवस्था करवा दो पर कुछ नहीं हो रहा है और कीचड़ में चलने को गाँव वाले मजबूर है।

स्कूली छात्र -छात्राओं ने कहा कि स्कूल आने जाने में काफी तकलीफहोती है घर से साफ कपड़े पहनकर निकलो पर स्कूल जाते तक गंदा हो जाता है पर मजबूर है पढ़ाई करनी है तो कीचड़ में जाना पड़ेगा। कोई हम बच्चों की परेशानी नहीं सुन रहा है।

समाचार संक्षेप

सावन उत्सव व हरेली पर्व पर एक पेड़ मां के नाम के तहत किया गया पौधा वितरण

छुरा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्राम गिधनी में सावन उत्सव हरेली पर्व में एक पेड मां के नाम के तहत फलदार छायादार पौधा का वितरण किया गया। शासन के निर्देशानुसार गांव गांव में स्टाल लगाकर पौधा वितरण कर लोगो को पौधोरोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया गया है।इसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान में जोड़कर एक पौधा अपने मां के नाम पर रोपित कर उनका देखभाल करने संदेश दिया जा रहा है। ग्रामीणों व नागरिकों को फलदार छायादार अनेक प्रकार के पौधो को तैयार कर बकायदा गांव गांव तक लोगो को उपलब्ध भी कराया जा रहा है।साप्ताहिक बाजार, हाट् बाजार एवं अनेक शासकीय कार्यक्रमों में लगातार पौधा का वितरण उद्यानकी विभाग द्वारा किया जा रहा है।इस मौके पर प्रमुख रुप से उपसरपंच उमानसिंह ठाकुर, पुनितराम ठाकुर, रामू ठाकुर, डेरहा ठाकुर श्रीराम ठाकुर, हरि ठाकुर, यशपाल ठाकुर, लोकेश ठाकुर, पंकज ठाकुर, डिगेश्वर ठाकुर, दीपक ठाकुर, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री टंकराम ने खेत में उतरकर रोपे धान के पौधे, उठाया गेड़ी का लुत्फ

तिल्दा-नेवरा, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। केबिनेट मंत्री धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा 3 अगस्त को धमतरी दौरे पर थे, इस दौरान मंत्री लोग देखकर लोग उस वक्त हैरत मे पड़ गए जब मंत्री टंकराम वर्मा खेत में उतरकर वहां काम कर रहे मजदूर भाईयों संग रोपाई कार्य करने लगे, मंत्री को यूं अचानक अपने बीच देखकर लोग हैरान रह गए लेकिन मंत्री जी का यह सादगी देख सब उसके मुरीद हो गए, इस दौरान प्रभारी मंत्री ने गेड़ी का भी लुफ्त उठाया। दरअसल धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा आज धमतरी प्रवास पर पहुँचे थे, इस दौरान वह अचानक ग्राम खरतुली पहुंच गए और किसान रोहित साहू के खेत में मजदूरों के साथ धान का रोपा लगाया, हालांकि प्रभारी मंत्री को इस तरह खेत में उतरकर रोपा लगाते देख गांव के लोग हैरान हो गए, लेकिन इसी बीच मंत्री का ऐसा रूप देख हर कोई उनका तारीफकरने लगे। बता दें इस दौरान प्रभारी मंत्री ने गायों की पूजा अर्चना कर अच्छी फसल की कामना की, और छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध हरेली पर्व में उपयोग करने वाला गेड़ी का लुफ्त भी उठाया, इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला खाद्य अधिकारी दुबे को दी विदाई

कार्य के प्रति उनकी ललक काबिले ए तारीफ, हम सब के लिए है प्रेरणादायक : कलेक्टर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कसडोल, 4 अगस्त। संयुक्त जिला कार्यालय खाद्य शाखा में पदस्थ वरिष्ठ जिला खाद्य अधिकारी विमल दुबे अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के बाद आज शासकीय सेवा से निवृत्त हो गये। सँयुक्त जिला कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से दुबे को भावभीनी विदाई दी गई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार उनके विभिन्न स्वत्वों की स्वीकृति पत्र की प्रति भी सौंपी गई। जिला प्रशासन परिवार की ओर से कलेक्टर दीपक सोनी ने उनका शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया एवं उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गई। कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कार्य के प्रति दुबे जी का ललक काबिले ए तारीफ है उनकी जितनी प्रशंसा की जाएं वह कम है। उम्र की इस दौर में वे हमेशा हंसते हुए जूझकर कार्य करते रहे है.आज अंतिम दिन भी राशन कार्ड में नाम जोड़ना आदि अन्य कार्य उनके द्वारा किया ही जा रहा है.जो हम सब के साथ ही नए

अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक है। उनके योगदान एवं उत्कृष्ट कार्यो के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। सेवानिवृत्त दुबे ने विदाई सम्बोधन में अपनी सेवा काल के महत्वपूर्ण संस्मरण सुनाये और शासकीय सेवाकाल के सफ्लतापूर्ण संपन्न होने पर सभी सहयोगी अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरीयता सूची जारी, 5 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

बलौदाबाजार, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय, सिमगा, जिला बलौदाबाजार भाटापारा में अतिथि व्याख्याता व्यवस्था हेतु विषय-गणित, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकी, अर्थशास्त्र एवं प्राणिशास्त्र का निर्धारित तिथि तक प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रता के आधार पर वरीयता क्रम तैयार कर महाविद्यालय के वेबसाईट www.govtcollege.simga.ac.in में अपलोड कर दिया गया है। पात्रता के संबंध में दावा आपत्ति 5 अगस्त तक आमंत्रित हैं। दावा आपत्तियों का निवारण कर अंतिम मेरिट सूची का प्रकाशन 7 अगस्त को किया जाएगा।

कुकुरदी सांवरा के स्वास्थ्य शिविर का लाभ 45 लोगों ने उठाया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कसडोल, 4 अगस्त। नगर की सीमा से सटे कुकुरदी सांवरा बस्ती में कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा टीबी, कुष्ठ की स्क्रीनिंग, बीपी की जाँच सहित शुगर, एचआई वी, हेपेटाइटिस बी और सीएल सिर्फलिस, मलेरिया जैसी बीमारियों के लिए रक्त की जाँच की गई। इसके साथ ही हेपेटाइटिस बी का टीका भी लगाया गया।

शिविर में कुल 48 लोगों ने अपना परीक्षण कराया जिसमें बीपी का एक और शुगर के दो मरीज चिन्हित हुए हैं जिनका उपचार शुरू हुआ है। मौसमी बीमारी डायरिया का कोई भी प्रकरण नहीं मिला है। लोगों को साफ सफाई, उबला पानी पीने, ताज़ा भोजन करने तथा किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अस्पताल में संपर्क करने हेतु भी समझाया गया। शिविर में जिला से एपिडेमियोलॉजिस्ट श्वेता शर्मा, अश्वनी सिन्हा, दिनेश सिंग, आलोक दुबे, खोगेश्वर पटेल, ज्ञानेशु प्रसन्न वर्मा, प्रीति कश्यप, राकेश धृतलहरे, सेक्टर रिसदा से डॉक्टर अविनाश केसरवानी, दीपिका बंजारे, रोहित वर्मा, वेगेश्वर यदु, बुधर प्रसाद वर्मा, उमा साहू और मितानिन त्रिवेणी वर्मा ने सहयोग किया।

हॉस्पिटैलिटी व होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण कोर्स के लिए एसटी एससी युवाओं से 8 तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 4 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण कोर्स हेतुअब आवेदन की तिथि में बढ़ोतरी कर प्रदेश के अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति (एसटी-एससी) युवक युवती से 08 अगस्त 2024 की शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया है। अधिक जानकारी वेबसाइट ट्राइबल डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, ब्लाक-डी, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़ में उपस्थित होकर जमा किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण हेतु कुल 100 छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। बजट की उपलब्धता के आधार पर यह परिवर्तनशील होगा।

यह प्रशिक्षण पूर्णकालिक होगा एवं प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण अवधि में अन्यत्र किसी नियमित पाठ्यक्रम तथा नौकरी, व्यवसाय करने की अनुमति नहीं होगी। यह प्रशिक्षण आवासीय है। प्रशिक्षण में छात्र छात्राओं को छात्रावास और मेस के सुविधा निशुल्क होगा। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षण देने वाले संस्था द्वारा जॉब प्लेसमेंट में प्रशिक्षण से संबंधित जॉब उपलब्ध कराया जाएगा।

निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदन पत्र विचार नहीं किया जाएगा। हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण योजना अंतर्गत यह निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202407092110047
अ/6 वर्ष 2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक विवेक अग्रवाल पिता अनिल अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी नरसिंग वार्ड न. 10 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है की आवेदक के पिता अनिल अग्रवाल आ. मुरलीधर अग्रवाल एवं अन्य 4. मनोज पिता लक्ष्मीनारायण, योगेश पिता हरिप्रसाद, कैलाश पिता नन्दलाल के नाम से शामिलात खाता में नजूल शहर डोंगरगढ़ में कालकापारा में शीट नं. 07 भू-खण्ड के 2213/1 कुल क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट सम्पत्ति स्थित है। तथा शामिलात खाता में दर्ज चली आ रही है। आवेदक के पिता अनिल अग्रवाल आ. मुरलीधर अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 15/11/2020 की हो चुकी हैं। स्व अनिल अग्रवाल की फौती दर्ज कर खाता से नाम विलोपित कर उनके स्थान पर मृतक के वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया है. आवेदन पत्र के साथ तलवाना, संधारण खसरा, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति, हो तो वह पेशी दिनांक 28/08/2024 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद ने दिया शासकीय शालाओं के एक-एक शिक्षकों को पांच दिवसीय स्पोकन इंग्लिश प्रशिक्षण

कार्यशाला में शिक्षकों ने जाना अंग्रेजी का भय कैसे दूर करें

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 4 अगस्त। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर व डाइट के मार्गदर्शन में प्रत्येक शासकीय शालाओं के एक एक शिक्षकों का पांच दिवसीय स्पोकन इंग्लिश क्लास का प्रशिक्षण आयोजित किया जाना है। इसी क्रम में विकासखंड सिमगा के प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों का पांच दिवसीय स्पोकन इंग्लिश क्लास का प्रशिक्षण बीआरसी भवन सिमगा, स्वामी आत्मानंद स्कूल व टीएलसी सेंटर में दिनांक 29 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित किया गया। जिसके समापन सत्र में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस के गेंदले, एबीईओ राकेश सिंह, एबीईओ व बीआरसीसी डी एस ठाकुर उपस्थित रहें। आज के प्रशिक्षण की खासियत रही कि मास्टर ट्रेनर व सभी शिक्षक प्रतिभागी हरे रंग के ड्रेस कोड में नजर आए। हरा रंग समृद्धि व विकास का प्रतीक है। प्रतिभागी शिक्षकों का मानना है कि अंग्रेजी प्रशिक्षण से हमारे मन में अंग्रेजी भाषा की प्रति जो डर और झिझक था वह दूर हो गया और निश्चित रुप से हम अपने शालाओं में अपने बच्चों के साथ अंग्रेजी भाषा

संबंधी गतिविधियों को बेहतर तौर पर करा सकने में सक्षम हुए है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस के गेंदले ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल के विकास का क्रियान्वयन होना ही प्रशिक्षण की सफ्लता तय करेगा और इसकी मॉनीटरिंग भी की जाएगी। भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है, चाहे वह मातृभाषा हो या फ़िर अंतर्राष्ट्रीय भाषा हो।

वहीं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक डी एस ठाकुर ने कहा कि हर प्रशिक्षण हमें बहुत कुछ सिखाता है और यह हमे हमेशा अपडेट रखता है। आधुनिक शिक्षा तकनीक आधारित होते जा रहा है। मास मीडिया का अहम भूमिका होते जा रहा है। अंग्रेजी संपर्क का उचित माध्यम बन गया है। बच्चों को पहले अंग्रेजी में इंट्रोडक्शन सिखाए तथा सरल वाक्य के प्रयोग से अंग्रेजी का डर भगाना होगा।

एबीईओ राकेश सिंह ने कहा कि पहले हेजीटेशन को छोड़िए और अंग्रेजी में वार्तालाप कीजिए। यह एक भाषा है जो सहजता से प्रवाह ले लेगी और संप्रेषण का माध्यम बनेगी तथा हमारे विद्यार्थी बहु भाषा शिक्षण के उद्देश्य को पूरा करते दिखेंगे।

मास्टर ट्रेनर प्रकाश कुंभकार, शिखा श्रीवास्तव, अतुल, जसविन कवल दास, अरुणिका सिंह, रितु त्रिपाठी, निखत परवीन व शकुंतला साहू ने विविध रुप एक्टिविटिज के माध्यम से शिक्षकों को गतिविधि कराया। शिक्षक प्रतिभागियों को अंग्रेजी भाषा से सहज करने के लिए स्त्रोत व्यक्तियों के द्वारा पांच दिवस में अलग-अलग प्रकार की गतिविधियां करवाई गई। शिक्षक प्रतिभागियों को छोटे-छोटे समूहों में बांटकर कार्य दिया गया, जिसे उनके द्वारा पूरा कर उसकी प्रस्तुति की गई। प्रस्तुतिकरण के दौरान ध्यान रखा गया कि सभी शिक्षक प्रतिभागियों को बोलने का पर्याप्त अवसर दिया जाए इस प्रकार से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों के मन से अंग्रेजी बोलने का झिझक दूर किया गया। प्रशिक्षकों के द्वारा सभी प्रतिभागियों को अपनी-अपनी विचार को साझा करने के लिए कहा गया जिसे प्रतिभागियों के द्वारा बखूबी किया गया।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हरेली तिहार

4 अगस्त 2024

जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ला गाड़ा- गाड़ा बधई...

खेती- किसानी अउ खुशहाली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

धान खरीदी
3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से
किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़

मिला बकाया धान बोनस
13 लाख किसानों को मिला
2 वर्ष का बकाया धान बोनस,
खाते में पहुंचे 3716 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड
सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को
खाद बीज एवं कृषि उपकरणों की खरीदी के
लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन

किसानों को अतिरिक्त लाभ
धान का समर्थन मूल्य और रकबा बढ़ने से
किसानों को प्रति एकड़ करीब 25,500 रूपए
का अतिरिक्त लाभ

संभाग आर.ओ. 41055/30

महावृक्षारोपण अभियान
एक पेड़ माँ के नाम
प्रदेश में रोपे जा रहे करीब 4 करोड़ पौधे

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26